epaper.dehatsandesh.com

3 राजौरी में भूतपूर्व सैनिकों की परेशानियों को जाना

5 नीरज चोपड़ा वर्ष 2024 के सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक एथलीट: अमेरिका पत्रिका

8 पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्व

मौसम जम्मू — न्यूनतम 6 — अधिकतम 17

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-11 | जम्मू तवी, रविवार 12 जनवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

कश्मीर के लिए ट्रेन बहुत जल्द शुरू होगी: अश्विनी वैष्णव

चेन्नई, 11 जनवरी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है कि जम्मू और कश्मीर घाटी के बीच लंबे समय से प्रतीक्षित ट्रेन सेवा बहुत जल्द शुरू होगी।

उन्होंने कहा, नए रेल मार्ग के निर्माण की उत्कृष्ट परियोजना महत्वपूर्ण भौगोलिक और जलवायु चुनौतियों पर काबू पाने वाली इंजीनियरिंग उत्कृष्टता और दृढ़ संकल्प का प्रमाण है।

झ चेन्नई में इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (ICF) में अमृत भारत ट्रेन के नए कोच और अन्य परियोजनाओं के निरीक्षण के दौरान परियोजना के बारे में मीडिया से बात करते हुए, मंत्री ने कहा कि यह राष्ट्र का एक महत्वपूर्ण सपना था, जम्मू और कश्मीर को जोड़ने वाली एक नई रेलवे लाइन, जिसमें बहुत जटिलताएँ हैं। 111 किलोमीटर की रेलवे लाइन में से 97 किलोमीटर सुरंगों और 6 किलोमीटर पुलों की है। वैष्णव ने आगे कहा कि यह एक अत्यधिक जटिल परियोजना है और अब सपना पूरा हो गया है। काम पूरा हो गया है और सीआरएस निरीक्षण हो चुका है। रिपोर्ट मिलने के बाद, हम ट्रेन सेवाएं शुरू करेंगे।

मंत्री ने बताया कि इस उद्देश्य के लिए विशेष रूप से एक नई वंदे भारत ट्रेन भी डिजाइन की गई है। उन्होंने कहा, चूंकि तापमान शून्य से 10 या 20 डिग्री नीचे तक गिर सकता है, इसलिए बिजली की लाइनें, इलेक्ट्रॉनिक्स और ट्रेन का पहियों से कनेक्शन प्रभावित होता है। इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, नई वंदे भारत को डिजाइन किया गया है। सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और भारत का यह सपना जल्द ही साकार होगा।फ्र उल्लेखनीय है कि 8 और 9 जनवरी को कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी (छत्रऋ) के निरीक्षण के दौरान उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (SBRL) के कटरा-बनिहाल रेलवे सेक्शन पर संतोषजनक गति परीक्षण किया गया था। कटरा-बनिहाल सेक्शन USBRL परियोजना में एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जो जम्मू क्षेत्र और कश्मीर घाटी के बीच की खाई को पाटता है।

अपनी जटिल स्थलाकृति और इंजीनियरिंग चमत्कारों के लिए जाना जाने वाला यह सेक्शन दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज चिनाब ब्रिज के साथ-साथ कई अत्याधुनिक सुरंगों और अत्याधुनिक सुरक्षा सुविधाओं से लैस है।

प्रधानमंत्री 13 जनवरी को प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजना 'जेड-मोड़' सुरंग का करेंगे उद्घाटन

गांदरबल, 11 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 जनवरी को जम्मू-कश्मीर का दौरा करेंगे और सोनमर्ग के दर्शनीय हिल स्टेशन को हर मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई एक प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजना जेड-मोड़ सुरंग का उद्घाटन करेंगे।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार गगनगीर और सोनमर्ग के बीच 6.5 किलोमीटर लंबी दो लेन वाली सड़क सुरंग जेड-मोड़, हिमस्खलन-प्रवण गगनगीर-सोनमर्ग सड़क को बाइपास करेगी। सुरंग का नाम सड़क के 'जेड-आकार' वाले हिस्से के नाम पर रखा गया है जो पिछले मार्ग पर घंटों की तुलना में यात्रा के समय को घटाकर सिर्फ 15 मिनट कर देती है।

स्थानीय निवासियों सलीम कादरी, मीर आफताब और मोहम्मद असगर ने इसके लिए अपना आभार व्यक्त किया और कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि इसके निर्माण के बाद सोनमर्ग-लद्दाख सड़क अब पूरे साल खुली रहेगी। उन्होंने कहा कि सर्दियों में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए ऐसे मार्ग पहाड़ी राज्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि लोग खुश हैं और हम केंद्र सरकार को धन्यवाद देते हैं। लद्दाख एक सीमावर्ती क्षेत्र है, इसलिए रक्षा के लिए सामान्य सामान जो हवाई मार्ग से ले जाया जाता था। अब इस सुरंग के निर्माण और उद्घाटन के बाद इसे सड़क मार्ग से ले जाया जा सकता है।

सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री 13 जनवरी को इसका उद्घाटन करने जा रहे हैं। केंद्र सरकार विशेष रूप से केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने इसके साथ कई पहल की हैं। यह सुरंग, आसन्न ज़ोजी-ला सुरंग के साथ, बालटाल (अमरनाथ गुफा), कारगिल और लद्दाख जैसे क्षेत्रों को मौसम-प्रूफ कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। बुनियादी ढांचा न केवल सैन्य रसद को बढ़ाएगा बल्कि पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देगा, जिससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

वर्ष 2018 में शुरू हुई ज़ेड-मोड़ सुरंग इस क्षेत्र में विकसित की जा रही 31 सड़क सुरंगों में से एक है जो 20 जम्मू और कश्मीर में और 11 लद्दाख में। ज़ेड-मोड़ सुरंग का उद्घाटन क्षेत्र में संपर्क सुधारने और विकास को बढ़ावा देने में एक मील का पत्थर है जो इसके भू-रणनीतिक और आर्थिक महत्व को और मजबूत करता है।

ट्रक की चपेट में आने से एक नाबालिग लड़के की मौत

पुलवामा 11 जनवरी। दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के अवंतीपोरा इलाके में शनिवार को एक ट्रक की चपेट में आने से एक नाबालिग लड़के की मौत हो गई।

एक अधिकारी ने बताया कि एनएचडब्ल्यू 44 बारसू अवंतीपोरा में श्रीनगर से अनंतनाग की ओर आ रहे जीजे39टी-4614 नंबर के ट्रक ने एक पैदल यात्री को टक्कर मार दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान मोमिन तारिक मीर 13 के रूप में हुई है जो बारसू अवंतीपोरा निवासी तारिक अहमद का बेटा है। इस बीच पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

कठुआ पुलिस ने नशा तस्करों संबंधित जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 9541953154 जारी किया

कठुआ 11 जनवरी। नशा तस्करों के खिलाफ जारी अभियान के तहत नई पहल में एसएसपी कठुआ शोभित सक्सेना की देखरेख में कठुआ पुलिस ने जिला कठुआ से नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरे को खत्म करने के लिए डीपीओ कठुआ में एक एंटी-स्मगलिंग हेल्पलाइन नंबर नामक नई हेल्पलाइन बनाई है। हेल्पलाइन मोबाइल नंबर 9541953154 है जोकि 24म7 चालू रहेगी, जिसमें कॉल, एसएमएस या व्हाट्सएप भेजकर नशा तस्करों से संबंधित किसी भी प्रकार की जानकारी दी जा सकती है। आपका सहयोग समाज को ड्रग्स के खतरे से बचाएगा। वहीं सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

नियंत्रण रेखा के पास संदिग्ध गतिविधि की सूचना पर सेना ने चलाया तलाशी अभियान

जम्मू, 11 जनवरी। जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास शनिवार को संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद सेना ने तलाशी अभियान चलाया। यह अभियान अभी चल रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि कुछ ग्रामीणों ने आज जोगीवान में कुछ संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधि देखी है जिनके आतंकवादी होने का संदेह है और उन्होंने इसकी सूचना पास के सैन्य शिविर को दी। उन्होंने बताया कि सेना के जवानों ने तुरंत गांव और आसपास के वन क्षेत्र की घेराबंदी कर दी और गहन तलाशी अभियान चलाया। हालांकि अधिकारियों ने बताया कि अभी तक संदिग्ध व्यक्तियों का कोई सुराग नहीं मिला है।

उन्होंने बताया कि क्षेत्र में फिलहाल तलाशी और घेराबंदी अभियान जारी है। पिछले साल 28 और 29 अक्टूबर को अखनूर सेक्टर में दो दिवसीय अभियान में पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) संगठन के तीन भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों को मार गिराया गया था।

आतंकवादी समूहों की सहायता करने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दायर

जम्मू, 10 जनवरी। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में आतंकवादी समूहों को भोजन और अन्य रसद सहायता देकर उनका समर्थन करने के आरोप में पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि डोडा में एनआईए कोर्ट में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत दर्ज दो अलग-अलग मामलों में आरोपपत्र दायर किए गए हैं। भद्रवाह तहसील के शरखी गांव के शौकत अली के खिलाफ गंदोह पुलिस स्टेशन में एक मामला दर्ज किया गया था। प्रवक्ता ने बताया कि पिछले साल इलाके में मारे गए तीन विदेशी आतंकवादियों को शरण देने के आरोप में उस पर यूएपीए की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं।

देसा में दर्ज दूसरा मामला प्रनू के मुनीर हुसैन, कुलहंड के तनवीर अहमद, डोडा के नूर आलम और हेरानी अस्सार के कुंज लाल के खिलाफ दर्ज किया गया। प्रवक्ता ने कहा कि यह कार्रवाई क्षेत्र में आतंकवाद को सक्षम करने वाली रसद और वित्तीय प्रणालियों को खत्म करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है।

अगले 24 घंटों के दौरान मैदानी इलाकों में हल्की बारिश, बर्फबारी की संभावना

श्रीनगर, 11 जनवरी। जम्मू-कश्मीर में शनिवार को भी शीतलहर जारी है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 24 घंटों के दौरान जम्मू संभाग के मैदानी इलाकों में हल्की बारिश और केंद्र शासित प्रदेश के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी का अनुमान है।

मौसम विभाग की तरफ से शनिवार को जारी की गी जानकारी में बताया गया है कि 11 जनवरी को सामान्य रूप से बादल छाए रहेंगे और अगले 24 घंटों के दौरान जम्मू संभाग के मैदानी इलाकों में हल्की बारिश और जम्मू और कश्मीर संभाग के अलग-अलग ऊंचे इलाकों में बर्फबारी होगी।

मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ केंद्र और राज्यों को 'रुथलेस अप्रोच' के साथ कार्रवाई करनी होगी : अमित शाह

नई दिल्ली, 11 जनवरी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि देश में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ केंद्र और राज्य सरकारों को संयुक्त होकर रुथलेस अप्रोच के साथ कार्रवाई करनी होगी। गृह मंत्री ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा आयोजित मादक पदार्थों की तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना का जिक्र करते हुए अमित शाह ने कहा कि अगर हम भारत को दुनिया में प्रथम बनाना चाहते हैं, तो यह नशा मुक्त भारत के बिना संभव नहीं है। शाह ने चेतावनी देते हुए कहा कि भारत की सात प्रतिशत आबादी नशे की लत में है। अगर हम अभी नहीं चेते तो दस साल में बहुत देर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केंद्र और राज्य सरकारों को एकजुट मंच पर सामूहिक रूप से लड़नी होगी। उन्होंने कहा, कोई भी देश नशे से ग्रसित युवा पीढ़ी के साथ विकास के मार्ग पर आगे नहीं बढ़ सकता। हमारी जिम्मेदारी है कि हम सभी मिलकर इस चुनौती से लड़ें और इस लड़ाई को जीतने के लिए संपूर्ण प्रयास करें। नशीले पदार्थों के

प्रति सरकार की जीरो टॉलरेंस की नीति को दोहराते हुए शाह ने घोषणा की कि आज, हमने जब्त किए गए नशीले पदार्थों को जलाने की पहल की है। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों को जलाने का पखवाड़ा के दौरान अगले 10 दिनों के भीतर एक लाख किलोग्राम मादक द्रव्य नष्ट किए जाएंगे, जिसका अंतरराष्ट्रीय बाजार में 8600 करोड़ रुपये मूल्य है।

हिमायत योजना युवाओं के उत्थान के लिए गेम चेंजर साबित हो रही है : डार

जम्मू 11 जनवर। कृषि उत्पादन और ग्रामीण विकास विभाग और पंचायती राज मंत्री जावेद अहमद डार ने हिमायत योजना के परिवर्तनकारी प्रभाव की सराहना की और युवाओं को नौकरी बाजार के लिए सशक्त बनाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

हिमायत के पूर्व छात्र सम्मेलन 2025 में बोलते हुए जहां कई लाभार्थियों ने अपनी सफलता की कहानियां साझा कीं मंत्री ने हर उपलब्धि के पीछे अक्सर अनदेखा किए जाने वाले संघर्षों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा हर सफलता की कहानी के पीछे एक संघर्ष होता है। जबकि लोग शानदार नतीजों को देखते हैं वहां तक पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत और चुनौतियों का सामना करना अनकहा रह जाता है। आज अपनी सफलता की कहानियां साझा

करने वाले बच्चों ने हमें दिखाया है कि संघर्ष पहचान को आकार देता है और जीवन के मूल्यवान सबक सिखाता है।

चुनाव और सहकारिता विभागों के लिए भी काम करने वाले जावेद डार ने कहा कि हिमायत योजना का सफल क्रियान्वयन युवाओं खासकर जम्मू-कश्मीर के ग्रामीण इलाकों के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए एक बड़ा बदलाव साबित हो रहा है।

उन्होंने बेहतर रोजगार संभावनाओं के लिए नवीनतम नौकरी बाजार के रुझानों के अनुरूप युवाओं के कौशल विकास पर जोर दिया।

मंत्री ने रेखांकित किया कि हिमायत योजना को विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा नौकरी चाहने वालों को बहुत फायदा होगा अगर उन्हें कुशल और प्रशिक्षित किया जाए, जिससे वे अपनी आजीविका कमा सकें।

जावेद डार ने क्षमता निर्माण पहलों को मजबूत करने के लिए अधिक जवाबदेही और व्यापक दायरे का आग्रह किया।

मंत्री ने तेजी से बढ़ते देश में कौशल विकास के महत्व पर भी जोर दिया। मंत्री ने कहा 1.5 अरब की आबादी वाला भारत सबसे तेजी से बढ़ते विकसित देशों में से एक है। आने वाले वर्षों में रोजगार के कई अवसर आएंगे और प्रशिक्षण तथा कौशल विकास के माध्यम से व्यक्तियों को तैयार करना आवश्यक है।

ऑल जेएंडके पंचायत कॉन्फ्रेंस ने सरकार से 90 दिनों के भीतर चुनाव कराने का आग्रह किया

जम्मू, 11 जनवरी। पंचायत चुनाव कराने में हो रही देरी पर चिंता जताते हुए ऑल जम्मू-कश्मीर पंचायत कॉन्फ्रेंस (एजेकेपीसी) ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर सरकार से 90 दिनों के भीतर चुनाव कराने या आंदोलन का सामना करने को कहा। उपराज्यपाल (एलजी) मनोज सिन्हा ने पिछले साल नवंबर में लोगों को आश्वासन दिया था कि पंचायतों और शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के चुनाव जल्द ही होंगे। ये चुनाव आखिरी बार 2018 में हुए थे। पंचायतों और यूएलबी ने अपना कार्यकाल एक साल से भी पहले पूरा कर लिया था। परिसीमन और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए वार्डों के आरक्षण सहित विभिन्न कारणों से चुनाव समय पर नहीं हो सके। एजेकेपीसी के अध्यक्ष अनिल शर्मा ने कहा, पंचायत चुनाव कराने का मुद्दा बहुत जरूरी है क्योंकि पंचायतें स्थानीय शासन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनकी लंबे समय से निष्क्रियता ने विकास में बाधा डाली है और ग्रामीण निवासियों को उचित प्रतिनिधित्व या अपनी चिंताओं को व्यक्त करने का कोई रास्ता नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने और क्षेत्र में शासन में सुधार के लिए समय पर चुनाव कराना और सीमाओं को फिर से परिभाषित करना आवश्यक है। जम्मू-कश्मीर में पंचायतों का कार्यकाल 9 जनवरी, 2024 को समाप्त हो रहा है और जम्मू-कश्मीर सरकार ने एक आदेश के माध्यम से पंचायतों के प्रशासक के रूप में खंड विकास अधिकारियों को नियुक्त किया है।

जम्मू-कश्मीर नशीली दवाओं के गिरोह और नार्को-टेरर गठजोड़ को पूरी तरह से खत्म करने हेतु प्रतिबद्धः एलजी

जम्मू 11 जनवरी। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो द्वारा आयोजित 'ड्रग तस्करी और राष्ट्रीय सुरक्षा' पर क्षेत्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता की। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू से वर्चुअली हिस्सा लिया और नार्को-टेरर गठजोड़ को बेअसर करने और ड्रग खतरे से निपटने के लिए जम्मू-कश्मीर यूटी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए, उपराज्यपाल ने कहा कि वर्ष 2024 में मादक पदार्थों की तस्करी से होने वाली अवैध आय को लक्षित करने के लिए ठोस प्रयास किए गए हैं और तस्करों और विदेशी मुद्रा हेरफेर अधिनियम के तहत तस्करों की 188 संपत्तियों को जब्त करने के लिए पहचाना गया है। पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम के तहत 274 बार अपराध करने वालों को हिरासत में लिया गया। उपराज्यपाल ने कहा कि 2024 में पिछले वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किए गए और 210 लोगों को सजा दिलाई गई जो अब तक की सबसे अधिक संख्या है। 2024 में एनडीपीएस अधिनियम के तहत लगभग 1,514 मामले दर्ज किए गए और 2,260 गिरफ्तारियां की गईं। उन्होंने कहा कि सरकार पूरे ड्रग गिरोह को पूरी तरह से खत्म करने के लिए दृढ़ संकल्प है। मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए पांच विशेष एनडीपीएस अदालतें स्थापित की गई हैं। उपराज्यपाल ने कहा, अब सभी मामलों में आगे और पीछे के संबंधों का पता लगाने के लिए वित्तीय जांच की जा रही है ताकि हर एनडीपीएस मामले में पूरे नेटवर्क को बेअसर किया जा सके उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर ने मादक पदार्थों की तस्करी और नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने के लिए एक समग्र सरकारी दृष्टिकोण अपनाया है। उपराज्यपाल ने कहा कि विभिन्न पहलुओं और चुनौतियों पर अंतर-विभागीय समन्वय सुनिश्चित किया गया है और पिछले दो वर्षों में नियमित रूप से एनसीओआरडी बैठकें आयोजित की गई हैं।

जम्मू-कश्मीर में प्रमुख विकास परियोजनाओं को वन मंजूरी दी गई

जम्मू 11 जनवरी। जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने जम्मू-कश्मीर में विकास को गति देने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं के लिए वन मंजूरी दे दी।

ये मंजूरी केंद्र शासित प्रदेश में बुनियादी ढांचे के विस्तार और आर्थिक विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की दिशा में एक बड़ा कदम है, साथ ही साथ पर्यावरण संबंधी मुद्दों को भी हल किया जाएगा।

स्वीकृत परियोजनाओं में जल आपूर्ति योजनाएं भट्टन, केवा, अमरोथी, दारसू गुड्डर आदि शामिल हैं जिनका उद्देश्य ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आवश्यक बुनियादी ढांचे में सुधार करना है। बाबेटी में 4जी संतृप्ति परियोजना को भी मंजूरी दे दी गई है जिससे दूरदराज और वंचित क्षेत्रों में डिजिटल कनेक्टिविटी बढ़ाने पर सरकार का ध्यान केंद्रित हो गया है। इसके अतिरिक्त 400 केवी एस/सी दुलहस्ती से किशनपुर ट्रांसमिशन लाइन के पुनर्मार्ग को आगे बढ़ाया गया है जिससे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सुचारू विद्युत संचरण और बेहतर ऊर्जा दक्षता सुनिश्चित होगी। उन्होंने अधिकारियों को किसी भी पारिस्थितिक असंतुलन को रोकने सतत विकास और बुनियादी ढांचे के विकास को सुनिश्चित करने के लिए आक्रामक प्रतिपूरक वनीकरण करने का निर्देश दिया। मंत्री जावेद राणा ने मंजूरी की घोषणा करते हुए क्षेत्र की विकासात्मक जरूरतों को पूरा करने में इन परियोजनाओं के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा इन परियोजनाओं के लिए वन मंजूरी पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करते हुए जम्मू और कश्मीर में विकास को तेज करने के लिए हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

जम्मू-कश्मीर के लोगों के अधिकारों को बहाल करना उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती :शमीमा फिरदौस

श्रीनगर, 11 जनवरी। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) की वरिष्ठ नेता और हब्बा कदल की विधायक शमीमा फिरदौस ने शनिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों के अधिकारों को बहाल करना उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने लोगों खासकर क्षेत्र के युवाओं के सामने आने वाले ज्वलंत मुद्दों को हल करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि हमें हमारे अधिकारों से वंचित किया गया है और उन्हें वापस पाना हमारे और मुख्यमंत्री के लिए एक बड़ी चुनौती है। कश्मीर के युवा न्याय, अवसर और सम्मान के हकदार हैं।

उन्होंने लोगों की लंबे समय से चली आ रही शिकायतों को उजागर किया और खराब बुनियादी ढांचे और बुनियादी सुविधाओं की कमी जैसे मुद्दों की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा कि पिछले 10-12 वर्षों से हमारे लोगों को टूटी हुई नालियों और गलियों से लेकर आवश्यक सुविधाओं की कमी तक अनगिनत समस्याओं का सामना करना पड़ा है उन्होंने हब्बा कदल निर्वाचन क्षेत्र में एक स्टेडियम की तत्काल आवश्यकता पर भी जोर दिया क्योंकि युवाओं ने बार-बार ऐसी सुविधा का अनुरोध किया है।

उन्होंने कहा कि भूमि उपलब्ध है और हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि यहां एक स्टेडियम बनाया जाए। हमने पहले ही प्रक्रिया शुरू कर दी है और इस वादे को पूरा करने में सफल होने की उम्मीद है। बेरोजगारी के मुद्दे पर उन्होंने उच्च शिक्षित युवाओं के संघर्ष पर गहरी चिंता व्यक्त की जो बेरोजगार हैं। उन्होंने कहा कि यह देखकर दुख होता है कि एम.टेक, बी.टेक और पीएचडी के छात्र मेरे पास आते हैं और कहते हैं कि वे बेरोजगार हैं। हाल ही में एक पीएचडी धारक ने मुझे बताया कि वह एक ड्राइवर के रूप में काम कर रहा है। यह कश्मीर की कठोर वास्तविकता है और उन्होंने इसपर दुख जताया। उन्होंने स्थानीय प्रतिभाओं की तुलना में अन्य राज्यों के श्रमिकों को प्राथमिकता देने की आलोचना की। पिछले 14 वर्षों से हमारे युवाओं को दरकिनार किया जा रहा है जबकि बिहार, झारखंड और अन्य राज्यों के लोगों को नौकरी दी जा रही है।

वेटेरिनरी साइंस में बनाएं उज्जवल भविष्य

यदि आपको पशु-पक्षियों से प्रेम है और उनकी सेवा करना चाहते हैं तो यह पेशा कल्याण, प्रतिष्ठा और पैसे के हिसाब से बहुत ही शानदार हो सकता है। पशुओं में होने वाली बीमारियों का पता लगाकर और उनका इलाज करके जो आपको संतुष्टि मिलेगी उसका कोई मोल नहीं है। इसके अलावा आप पशुधन में इजाफा करने में अहम भूमिका निभाएंगे। वर्तमान में पशुपालन एक इंडस्ट्री के रूप में उभरकर धनोपार्जन का माध्यम बना है। यदि आप वेटेरिनरी से रिलेटेड कोर्स कर लेते हैं तो रोजगार के लिए भटकना नहीं पडेगा।

क्या काम है वेटेरिनरी चिकित्सक

वेटेरिनरी चिकित्सक का कार्य पशुओं के स्वास्थ्य का ख्याल रखना, बीमारियों से छुटकारा दिलाना उनके रहन-सहन एवं खान-पान में सुधार करना तथा उनकी उत्पादन तथा प्रजनन क्षमता बढाना होता है। इसके अलावा पशुओं से मनुष्यों में होने वाले रोगों से बचाव के लिए चिकित्सकीय उपाय ढूंढने का कार्य भी करते हैं।

जरूरी स्किल्स

पशु-पक्षियों से प्रेम
पशु पक्षियों के व्यवहार की जानकारी
पशु-पशुओं के मौसमी रोगों की जानकारी
धर्य और लगातार कार्य करने की क्षमता
एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

वेटेरिनरी साइंस में ग्रेजुएशन करने के लिए इंट्रेंस एग्जामिनेशन होता है। इस परीक्षा में बैठने के लिए फिजिक्स, केमिस्ट्री एवं बायोलॉजी तथा अंग्रेजी विषय में 50 प्रतिशत अंकों के साथ 102 उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। यह परीक्षा वेटेरिनरी काउंसिल ऑफ इंडिया के द्वारा हर वर्ष आयोजित की जाती है। प्रत्येक राज्य के वेटेरिनरी कालेज की 15 प्रतिशत सीटें इस परीक्षा द्वारा भरी जाती हैं। शेष सीटें राज्य के वेटेरिनरी कॉलेज स्वयं प्रवेश परीक्षा आयोजित करके भरते हैं। इसमें पोस्टग्रेजुएशन करने के लिए वेटेरिनरी साइंस में ग्रेजुएशन और पी-एचडी. के लिए पोस्टग्रेजुएशन होना अनिवार्य है।

जॉब्स की संभावनाएं

भारत सरकार की उदारीकरण नीतियों तथा वेटेरिनरी इंडस्ट्री के व्यावसायीकरण के कारण यह इंडस्ट्री प्रतिवर्ष ग्रोथ कर रही है। सरकारी तथा गैर सरकारी पशुचिकित्सालयों में पशुचिकित्सक, एनीमल हसबैंड्री डिपार्टमेंट, पोल्ट्री फार्म, डेयरी इंडस्ट्री, मिल्क एंड मीट प्रोसेसिंग इंडस्ट्री, फूड मैन्यूफैक्चरिंग, फार्मास्युटिकल वैक्सीन प्रोडक्शन इंडस्ट्री से संबंधित मल्टीनेशनल कम्पनियों के आने से इसमें नौकरी की डिमांड बढी है। इसके अलावा निजी अस्पताल खोलकर आप धन अर्जित कर सकते हैं, रिसर्च एंड डेवलेपमेंट तथा शिक्षण संस्थानों में शिक्षक के रूप में नौकरी कर सकते हैं। इसके जानकार बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भी कार्य कर सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- शेर-ए काश्मीर यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर साइंस एंड टेक्नोलॉजी, जम्मू
- हिमाचल प्रदेश कृ षि विश्वविद्यालय, पालमपुर
- नरेन्द्र देव यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, फैजाबाद
- बिहार वेटरिनरी कॉलेज, पटना
- बिरसा एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, रांची
- गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर
- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार
- कालेज ऑफ वेटरिनरी साइंस एंड एनीमल हसबैंड्री मथुरा, यूपी
- एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, लुधियाना

क्रिमिनल जस्टिस के तौर पर बनाएं सुनहरा भविष्य

वर्तमान में दुनिया में काफी अधिक संख्या में आपराधिक मामले बढ़े हैं, पुलिसिया कार्रवाई सख्त हुई है। ऐसे में, सामाजिक व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ लोगों को सही न्याय मिलना किसी चुनौती से कम नहीं है। बेकसूर लोग भी कोर्ट-कचहरी के चक्कर काटने के लिए मजबूर होने लगे हैं। ऐसे में उन्हें इंसाफ दिलाने के अलावा अपराध और इसकी प्रवृति को लेकर जो अध्ययन किया जाता है वह क्रिमिनल जस्टिस के दायों में आता है। इनसे जुड़े लोगों की मांग इन दिनों काफी बढ़ी है। अभी तक यह विषय क्रिमिनोलॉजी के तहत आता था लेकिन अब अधिकतर संस्थानों और विश्वविद्यालयों में इसकी अलग से पढ़ाई होने लगी है। ऐसे में, क्रिमिनल जस्टिस एक सिस्टम है जो सामाजिक व्यवस्था बनाने, अपराध निर्धारित करने और कानून का उल्लंघन करने वालों की सजा निर्धारित करने का कार्य करता है। यह उन लोगों को सहायता भी प्रदान करता है जिन्हें किसी आपराधिक मामले में बेवजह फंसाकर उनकी जिदगी बर्बाद करने का कार्य किया जाता है। यदि आप क्रिमिनल जस्टिस में करियर बनाने के इच्छुक हैं तो इससे संबंधित डिग्री लेने के बाद आपके पास कई विकल्प हैं और प्रत्येक विकल्प में न सिर्फ कई तरह की नौकरियां हैं बल्कि कई नौकरियां का रास्ता विभिन्न क्षेत्रों के जरिए आगे बढ़ता है।

क्रिमिनल जस्टिस से जुड़े लोगों का वेतन उनकी नौकरी, शिक्षा और अनुभव के आधार पर तय की जाती है। हालांकि जब भी क्रिमिनल जस्टिस की बात होती है तो एकेडमिक्स और शोध की बात नहीं होती है बल्कि यह उन लोगों के लिए है जो एडवांस डिग्री हासिल करना चाहते हैं। साइकोलॉजी और फॉरेंसिक साइंस से जुड़े लोग भी इस फील्ड से जुड़ते हैं और अपने भविष्य को नई दिशा देते हैं।

दो तरह के हैं ऑप्शन

सामान्य तौर पर क्रिमिनल जस्टिस करियर दो तरह का होता है, पहला एप्लायड क्रिमिनल जस्टिस और दूसरा थ्योरिटिकल क्रिमिनल जस्टिस। एप्लायड क्रिमिनल जस्टिस के तहत क्रिमिनल जस्टिस की प्रैक्टिकल ट्रेनिग आती है जबकि थ्योरिटिकल क्रिमिनल जस्टिस के तहत अपराध के व्यवहार और अपराध के प्रति समाज का व्यवहार यानी फॉरेंसिक साइकोलॉजी और क्रिमिनोलॉजी का अध्ययन किया जाता है।

पाठ्यक्रम

क्रिमिनल जस्टिस क्रिमिनोलॉजी का एक हिस्सा है जो सामाजिक व्यवस्था के तहत अपराध, अपराध के कारण, आपराधिक व्यवहार और दूसरे मामलों का अध्ययन करता है। इससे संबंधित विभाग की शुरुआत 1916 में ब्रेकली स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में हुई थी। इस विषय का अध्ययन रिसर्च क्रिमिनोलॉजी, सोशियोलॉजी और साइकोलॉजी विषय से जुड़े लोग करते हैं। भारत में अधिकतर विश्वविद्यालयों में इसकी पढ़ाई क्रिमिनोलॉजी से संबंधित कोर्स के तहत होती है लेकिन अब कहीं-कहीं इससे संबंधित डिप्लोमा कोर्स भी संचालित किया जाने लगा है। स्नातकोत्तर और पीजी डिप्लोमा कोर्स में एडमिशन स्नातक की डिग्री के बाद लिया जा सकता है। कई बार लॉ की डिग्री होने के बाद भी आपको इससे संबंधित अतिरिक्त कोर्स करना पड़ सकता है। इसे पाने के बाद ही आप इस फील्ड में आ सकते हैं।

नौकरी

यदि आपने क्रिमिनल जस्टिस में डिग्री हासिल की है तो आपके पास कैरियर के कई विकल्प सामने आते हैं। इससे संबंधित डिग्री लेने के बाद आप एयरपोर्ट सिक्योरिटी ऑफिसर, लॉ लाइब्रेरियन, रॉ एजेंट, अल्कोहल, टोबैके एंड फायर आर्म्स एजेंट, एटॉर्नी, मीडिया क्रिमिनोलॉजी, जुवेनाइल कोर्ट काउंसलर, मिलिट्री ऑफिसर, लॉ क्लर्क, नेवल इनवेस्टिगेटर, सेक्रेट सर्विस एजेंट, बॉर्डर पैट्रोल एजेंट, एनजीओ, टीचर, क्रिमिनोलॉजिस्ट आदि के तौर पर कार्य कर सकते हैं।

जरूरी योग्यता

इस क्षेत्र में आप तभी आगे बढ़ सकते हैं जब आप में कुछ मौलिक गुण हो। सफल होने के लिए कोर्ट-कचहरी की भाषा लिखने और प्रस्तुत करने की क्षमता, अपराध को लेकर समाज की प्रतिक्रिया की समझ, तर्कशक्ति, शोध और साइंटिफिक मेथडोलॉजी क्षमता, आलोचनात्मक सोच, अपराध की प्रकृति की समझ, निर्णय लेने की क्षमता, साक्षात्कार लेने की क्षमता, मानविकी, समाजशास्त्र और नेचुरल साइंस का बैकग्राउंड, क्रिमिनल लॉ की जानकारी, कम्प्यूटर में दक्षता आदि जरूरी है।

वाइल्ड लाइफ में बनाएं सुनहरा भविष्य

तेजी से कम होती जंगली प्रजातियों की संख्या ने दुनियाभर के वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों की चिता बढ़ा दी है। वन्य जीवों के साथ वनों में पाई जाने वाली तमाम तरह की प्राकृतिक संपदा को लेकर भी देश-विदेश में कई शोधकार्य चलते ही रहते हैं। वन्य जीवों के संरक्षण को लेकर पूरी दुनिया में जिस तरह के प्रयास किये जा रहे हैं उससे वाइल्ड लाइफ से जुड़े कई तरह के कैरिअर उभरकर आ रहे हैं।

इसलिए वाइल्ड लाइफ से जुड़े किसी भी क्षेत्र में कैरिअर बनाने का अर्थ है आपको रोजगार के पीछे नहीं भागना होगा बल्कि रोजगार खुद आपके पास चलकर आएगा। दरअसल वाइल्ड लाइफ खतरों व मुसीबतों से भरा क्षेत्र माना जाता है, इसलिए इस क्षेत्र में करिअर बनाने वाले बहुत कम होते हैं।इस क्षेत्र में इतनी तेजी से काम हो रहा है कि अभी भी पूरी दुनिया में लाखों की तादाद में कुशल वाइल्ड लाइफ एक्सपर्ट की कमी है। अगर आपके पास इस क्षेत्र से जुड़ा थोड़ा-बहुत भी अनुभव है तो समझ लीजिए आपकी लॉटरी लग गई।

वातावरण को संतुलित बनाए रखने में जितनी भूमिका पेड़-पौधे निभाते हैं उतना ही महत्व जंगली जीवों का भी होता है। इसके बढ़ते बाजार ने वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञ के कैरिअर को चार-चांद लगा दिये हैं। सरकारी सस्थाओं के अलावा देश-विदेश के एनजीओ भी वाइल्ड लाइफ से जुड़े कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के लिए कुशल वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञ की तलाश कर रहे हैं। हालांकि इस क्षेत्र में अन्य क्षेत्रों की तरह सुविधाएं नहीं हैं लेकिन यदि आप में काम करने का जुनून है तो पैसे कोई मायने नहीं रखते। वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञ के काम को समझते हुए, इसके खतरों से वाकिफ होकर सस्थाएं इस क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों को धन संबंधी समस्याएं नहीं आने देती हैं। इस क्षेत्र में करिअर बनाने के लिए सबसे जरूरी चीज है, डर पर नियंत्रण होना। खतरनाक जंगली जीवों से यदि आपको डर लगेगा तो इस क्षेत्र में काम नहीं कर पाएंगे।

निर्णायक क्षमता जरूरी

इस क्षेत्र में करिअर बनाने के लिए निर्णायक क्षमता होना बहुत जरूरी है। वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञ को सेकेंडों के अंदर निर्णय लेना होता है। ऐसे में यदि त्वरित निर्णय लेने की क्षमता नहीं हुई तो कभी-कभी वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञ की जान तक चली जाती है। यदि वाइल्ड लाइफ से जुड़े शोध कार्यों में कैरिअर बनाने के इच्छुक हैं तो तमाम तरह के डाटा का संग्रह होने के साथ टेक्निकल राइटिंग स्किल्स का भी होना जरूरी है। शोधकार्यों में कई घंटों तक लगातार काम करना पड़ता है, इसलिए मेहनत का जज्बा होना भी काफी अहम होता है।

इन तमाम खूबियों के अलावा अच्छी संवाद क्षमता भी होनी चाहिए। वाइल्ड लाइफ विशेषज्ञ को अकसर ही विदेशी पर्यटकों या शोधकर्ताओं से संवाद स्थापित करना पड़ता है। ऐसे में यदि वह बातचीत में कुशल नहीं होगा तो अपने विचार और ज्ञान के बारे में लोगों को कैसे परिचित कराएगा। इसके अलावा आपको वाइल्ड लाइफ से जुड़ी हर तरह की जानकारी होनी चाहिए। रोमांच व साहस से भरे इस क्षेत्र में अकसर ही घर से बाहर जंगलों में रहना पड़ता है। इसलिए होमसिक होना आपकी सफलता में बाधक बन सकता है।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए विज्ञान विषय से 12वीं उत्तीर्ण होना चाहिए और 12वीं के बाद बायोलॉजिकल साइंस से बीएससी की डिग्री जरूरी है। एग्रीकल्चर में बैचलर डिग्री भी इस क्षेत्र में प्रवेश दिला सकती है। फॉरेस्ट्री या इन्वायरमेंटल साइंस से भी स्नातक की डिग्री ली जा सकती है।

शुरुआती पारिश्रमिक

निजी क्षेत्र में वाइल्ड लाइफ साइंटिस्ट को शुरुआती चरण में 30 से 40 हजार रुपये मासिक तनख्वाह मिलती है। इसमें डिविजन अधिकारी भी शामिल होते हैं। मध्य अवस्था तक पहुंचते-पहुंचते यह 80 हजार रुपए तक हो सकती है। पीएचडी डिग्री होल्डर एक वरिष्ठ वैज्ञानिक की एक लाख रुपये प्रतिमाह तक आय हो सकती है। इसके विपरीत एनजीओ या सरकारी विभाग में वाइल्ड लाइफ साइंस से जुड़े कर्मचारियों को काफी ऊंची तनख्वाह पर नौकरियां मिलती हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

ग्रामीण चिंताओं को दूर करने के लिए सरपंच सम्मेलन किया गया

जम्मू, 11 जनवरी (हि.स.)। शनिवार को रामबन जिले के सुदूर बुजला गांव में सरपंच सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें सरपंच, पूर्व सरपंच, पंच, मौलवी और अन्य प्रमुख निर्णयकर्ता सहित 40 से अधिक सामुदायिक नेता एक साथ आए। भारतीय सेना द्वारा आयोजित इस पहल का उद्देश्य क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा करना और सामुदायिक कल्याण को बढ़ाना था।

सम्मेलन में मौजूदा सुरक्षा स्थिति और युवाओं में नशीली दवाओं के उपयोग के बढ़ते खतरे जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों को स्वास्थ्य सेवा, सोशल मीडिया जागरूकता, नशीली दवाओं के दुरुपयोग की रोकथाम और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन और बेरोजगार युवाओं के लिए मुमकिन आजीविका सृजन योजना जैसी सरकारी ग्रामीण विकास नीतियों के बारे में भी जानकारी दी गई।

भारतीय सेना ने ग्रामीण समुदायों का समर्थन करने और स्थानीय चुनौतियों का समाधान करने के लिए सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिए अपनी चल रही पहलों पर भी प्रकाश डाला। समुदाय के नेताओं ने चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया, क्षेत्र के कल्याण को बेहतर बनाने के लिए सुझाव और प्रतिक्रिया दी। इस कार्यक्रम को खूब सराहा गया जिसमें उपस्थित लोगों ने अपनी चिंताओं को व्यक्त करने और समाधानों पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए भारतीय सेना के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रतिभागियों ने ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने में सेना के प्रयासों की सराहना की और क्षेत्र में जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के उद्देश्य से भविष्य की पहलों पर सहयोग करने के लिए अपनी तत्परता व्यक्त की।

राजौरी में भूतपूर्व सैनिकों की परेशानियों को जाना

जम्मू, 11 जनवरी (हि.स.)। अपने भूतपूर्व सैनिकों के समुदाय के साथ संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से एक उल्लेखनीय कार्यक्रम में भारतीय सेना ने राजौरी जिले के परात में भूतपूर्व सैनिकों की बैठक आयोजित की। इस कार्यक्रम में 32 से अधिक भूतपूर्व सैनिकों ने भाग लिया और शिकायतों को दूर करने तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी साझा करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया।

इस बैठक का एक मुख्य आकर्षण स्पर्श पंजीकरण और शिकायत काउंटर था जिसे पेंशन सेवाओं तक आसान पहुँच की सुविधा प्रदान करने तथा भूतपूर्व सैनिकों की समस्याओं का समाधान करने के लिए स्थापित किया गया था। इसके अतिरिक्त भूतपूर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) तथा कैंटीन स्टोर्स डिपार्टमेंट (सीएसडी) के तहत लाभ प्राप्त करने के बारे में उपस्थित लोगों को मार्गदर्शन देने के लिए एक सहायता बूथ स्थापित किया गया था। बैठक के दौरान वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों ने भूतपूर्व सैनिकों से बातचीत की, उनकी समस्याओं को सुना तथा निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया। सेना ने भूतपूर्व सैनिकों तथा उनके परिवारों के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया तथा राष्ट्र के लिए उनके अमूल्य योगदान तथा बलिदान को स्वीकार किया।

विधायक ने लगाया जनता दरबार

जम्मू, 11 जनवरी (हि.स.)। जनता की भलाई के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए चेनानी के विधायक बलवंत सिंह मनकोटिया ने आज अपने कार्यालय में एक व्यापक जनता दरबार आयोजित किया। इस अवसर पर जिला उधमपुर और चेनानी विधानसभा क्षेत्र से बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याओं और शिकायतों को लेकर पहुंचे। मनकोटिया ने जनता की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को तुरंत समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जनता दरबार के दौरान, मनकोटिया ने केंद्र सरकार की विकासोन्मुखी पहलों की सराहना की और जनता से इन योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत ऑनलाइन पोर्टल को फिर से खोला गया है, जिससे सड़कों के सर्वे का काम फिर से शुरू हो गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस योजना के तहत अब गांवों में शेष सड़कों का सर्वेक्षण हो रहा है और जल्द ही निर्माण कार्य प्रारंभ होगा, जिससे हर गांव को सड़क कनेक्टिविटी मिलेगी। विधायक मनकोटिया ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत छूटे हुए घरों को शामिल करने के लिए प्रयास तेज किए जा रहे हैं। जल्द ही एक नया सर्वेक्षण शुरू किया जाएगा ताकि ऐसे सभी बीपीएल परिवारों की पहचान की जा सके जिनके पक्के मकान नहीं हैं और उन्हें मकान बनाने के लिए सहायता प्रदान की जा सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस योजना के तहत कोई भी पात्र परिवार वंचित नहीं रहेगा। इस अवसर पर मनकोटिया ने कहा सरकार की विकास केंद्रित नीतियां और योजनाएं ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में प्रगति का मार्ग प्रशस्त कर रही हैं। मेरी प्राथमिकता है कि सभी योजनाएं जमीनी स्तर तक पहुंचे और जनता की समस्याओं का तुरंत समाधान हो। जनता दरबार नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे ताकि लोगों की समस्याओं का समाधान कुशलता से किया जा सके।

पौष पूर्णिमा दिवा एवं रात्रि पूर्णिमा व्रत 13 जनवरी को मनाया जायेगा

जम्मू, 11 जनवरी (हि.स.)। पौष पूर्णिमा सनातन धर्म में विशेष महत्व रखती है,पौष पूर्णिमा के विषय में श्रीकैलख ज्योतिष एवं वैदिक ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि पौष माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को पौष पूर्णिमा कहा जाता है। इस साल पौष पूर्णिमा सन् 2025 ई. 13 जनवरी सोमवार को है। पौष पूर्णिमा दिवा एवं रात्रि पूर्णिमा व्रत 13 जनवरी सोमवार को ही है।

इस दिन भगवान श्रीसत्यनारायण जी की कथा पढ़ना अथवा सुनना,पूजा करना अथवा करवाना बेहद शुभ होता है। पूर्णिमा तिथि के दिन भगवान श्रीगणेश माता पार्वती भगवान शिव,श्रीसत्यनारायण जी और चंद्रमा की पूजा का भी विशेष महत्व है। रात को चंद्रमा निकलने के बाद धूप-दीप से पूजा करें और चंद्रमा को अर्घ्य दें।

पौष पूर्णिमा पर पवित्र नदियों,सरोवरों में स्नान करने का विशेष महत्व है किसी कारण वश पवित्र नदियों,सरोवरों में स्नान ना कर सके तो घर में ही पानी में गंगाजल डाल कर स्नान करें और यथासामर्थ्य किसी जरूरतमंद व्यक्ति एवं ब्राह्मणों को भोजन कराकर दान दक्षिणा अवश्य करें ऐसा करने से भगवान विष्णु का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार,पौष पूर्णिमा सन् 2025 ई. की पहली पूर्णिमा होगी। शास्त्रों के अनुसार इस दिन किसी भी प्रकार की तामसिक वस्तुओं का सेवन नहीं करना चाहिए,ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए,इस दिन शराब आदि नशे से भी दूर रहना चाहिए। इसके शरीर पर ही नहीं, आपके भविष्य पर भी दुष्परिणाम हो सकते हैं,इस दिन सात्विक चीजों का सेवन किया जाता है।

डोडा निवासियों को सड़क सुरक्षा पर किया जागरूक

जम्मू, 11 जनवरी (हि.स.)। क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या को रोकने के लिए एक सराहनीय प्रयास में भारतीय सेना ने डोडा के भेजा में सड़क यातायात दुर्घटनाओं पर जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय लोगों को सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन करने के महत्व के बारे में शिक्षित करना था। इस सत्र में 37 स्थानीय लोगों ने सक्रिय भागीदारी की। भेजा में ग्राम रक्षा गार्ड के प्रमुख विशाल पाधा ने संवादात्मक व्याख्यान का नेतृत्व किया जिसमें सड़क प्रतीकों के महत्व, उचित सड़क शिष्टाचार और सीट बेल्ट और हेलमेट के उपयोग सहित महत्वपूर्ण सुरक्षा उपायों के साथ-साथ शराब पीकर गाड़ी चलाने के खतरों जैसे प्रमुख विषयों को शामिल किया गया।

युवाओं और ड्राइवरों को सड़क चिह्नों, सुरक्षित ड्राइविंग प्रथाओं और यातायात उल्लंघनों के कानूनी प्रभावों के बारे में भी जानकारी दी गई। सत्र में प्रतिभागियों को सुरक्षा को प्राथमिकता देने और जिम्मेदार ड्राइविंग आदतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह पहल समुदाय के कल्याण और सुरक्षा के प्रति भारतीय सेना के समर्पण को दर्शाती है जो सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में व्यक्तिगत जिम्मेदारी के महत्व को उजागर करती है।

क्राइम ब्रांच ने तीन पूर्व सेवारत अधिकारियों सहित दस लोगों पर किया मामला दर्ज

जम्मू , 11 जनवरी (हि.स.)। क्राइम ब्रांच (सीबी) ने तीन पूर्व सेवारत अधिकारियों सहित दस लोगों पर मामला दर्ज किया है। मत्स्य पालन विभाग के उप निरीक्षक, पूर्व वनपाल और आईआरपी के एक हेड कांस्टेबल को सरकारी नौकरी और पदोन्नति लाभ प्राप्त करने के लिए फर्जी योग्यता प्रमाण पत्र का उपयोग करने के लिए और एलडी के समक्ष जाली दस्तावेज का उपयोग करने के लिए सात लोगों को दोषी ठहराया गया है।

शौकत अली पुत्र बशीर अहमद निवासी बनी जिला कठुआ की शिकायत पर पूर्व उप निरीक्षक मत्स्य पालन विभाग मोहम्मद के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। फरीद निवासी कठुआ पर मत्स्य पालन विभाग में नौकरी पाने के लिए 8वीं कक्षा का फर्जी स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र का उपयोग करने का आरोप है।

चुघ और विधायकों ने हीरानगर में शहीद भीखम सिंह शहीद बिहारी लाल को श्रद्धांजलि दी

कठुआ 11 जनवरी (हि.स.)। भाजपा ने शहीद भीखम सिंह जी और शहीद बिहारी लाल जी के शहादत दिवस पर हीरानगर में उनकी समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया।

राष्ट्रीय महासचिव भाजपा और प्रभारी जम्मू-कश्मीर भाजपा तरुण चुघ, सत शर्मा अध्यक्ष जम्मू-कश्मीर भाजपा, श्रीकांत शर्मा जम्मू-कश्मीर भाजपा के संगठनात्मक चुनावों के लिए पर्यवेक्षक, डॉ देविंदर कुमार मन्याल महासचिव जम्मू-कश्मीर भाजपा और विधायक, डॉ भारत भूषण, विजय शर्मा और राजीव जसरोटिया, गोपाल महाजन जिला अध्यक्ष, ठा रंजीत सिंह, डीडीसी, बीडीसी और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने भी कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित किया। तरुण चुघ ने शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए देश को मजबूत करने के लिए मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार किसी को भी जम्मू-कश्मीर में शांति और प्रगति को बाधित नहीं करने देगी क्योंकि प्रजा परिषद, जनसंघ और भाजपा का जन्म राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत के साथ हुआ था। भाजपा उन सभी शहीदों की ऋणी है जिन्होंने देश के लिए अपना बलिदान दिया।

पुलिस ने जिले में 7 लाख से अधिक कीमत के खोए और चोरी हुए 35 स्मार्टफोन सफलतापूर्वक बरामद किए

जम्मू, 11 जनवरी (हि.स.)। सार्वजनिक सेवा की दिशा में जम्मू पुलिस ने ऑपरेशन री-कनेक्ट के तत्वावधान में 7 लाख रुपये से अधिक मूल्य के 35 स्मार्टफोन सफलतापूर्वक बरामद किए। पिछले दो महीनों से चल रहा यह अभ्यास उल्लेखनीय रूप से सफल रहा है जिससे न केवल उपकरण बल्कि जम्मू के नागरिकों के लिए भावनात्मक संबंध भी बहाल हुए हैं। जम्मू पुलिस के मुख्यालय क्षेत्र की विशेष तकनीकी टीम ने अथक परिश्रम से जम्मू-कश्मीर के विभिन्न हिस्सों से इन खोए हुए 35 स्मार्टफोनों का पता लगाया और उन्हें बरामद किया। जम्मू मुख्यालय क्षेत्र के विभिन्न पुलिस स्टेशनों और सीमा पुलिस चौकियों में इन स्मार्टफोन के गायब होने की सूचना दी गई थी। एसपी मुख्यालय जम्मू के कार्यालय परिसर में आयोजित भावनात्मक समारोह में बरामद उपकरणों को उनके असली मालिकों को वापस सौंप दिया गया। समारोह में एसपी मुख्यालय जम्मू और एसडीपीओ आरएस पुरा उपस्थित थे।

जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय में युवा शक्ति महोत्सव का उद्घाटन

जम्मू, 11 जनवरी (हि.स.)। शैक्षणिक अध्ययन विभाग ने छात्र कल्याण के डीन के सहयोग से जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के मालवीय शिक्षा भवन में 10 दिवसीय युवा शक्ति महोत्सव के उद्घाटन सत्र का शुभारंभ किया। कुलपति प्रो. संजीव जैन के संरक्षण में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न विषयगत गतिविधियों और चरणों के माध्यम से युवा सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है, जिसका समापन 26 जनवरी को होगा।

सह-पाठ्यचर्या समिति की संयोजक डॉ. किरण ने कार्यक्रम की चरणबद्ध संरचना के बारे में विस्तार से बताया जिसमें बाहु शक्ति (शारीरिक शक्ति), मन शक्ति (मानसिक शक्ति) और कला शक्ति (कलात्मक शक्ति) शामिल हैं जिसका उद्देश्य समग्र विकास है।

एसोसिएट डीन अकादमिक और मुख्य अतिथि प्रोफेसर उदय प्रताप सिंह ने उद्घाटन भाषण दिया जिसमें उन्होंने युवाओं के सशक्तिकरण के प्रमुख चालकों के रूप में नवाचार और कौशल-आधारित शिक्षा पर जोर दिया। उन्होंने आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता के महत्व की भी वकालत की और छात्रों से आत्म-साक्षात्कार और राष्ट्र सेवा की भावना को बढ़ावा देने के लिए स्वामी विवेकानंद की शिक्षाओं से प्रेरणा लेने का आग्रह किया।

छात्र कल्याण की डीन प्रोफेसर रितु बख्शी ने समाज में युवाओं की परिवर्तनकारी भूमिका के बारे में बात की। उन्होंने युवा ऊर्जा को ऐसे उत्पादक प्रयासों में लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया जो रचनात्मकता, ज्ञान और राष्ट्रीय प्रगति को बढ़ावा देते हैं। वहीं प्रो. जे.एन. बलिया ने इस बात पर प्रकाश डाला कि युवा सामाजिक और राष्ट्रीय विकास की रीढ़ हैं। उन्होंने छात्रों को व्यक्तिगत और सामूहिक विकास के लिए अपनी आंतरिक प्रतिभाओं को तलाशने और विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण अभियान शुरू किया

जम्मू, 11 जनवरी (हि.स.)। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए एक हार्दिक पहल में भारतीय सेना ने रियासी जिले के बालमतकोट में एक पेड़ माँ के नाम अभियान का आयोजन किया। वृक्षारोपण अभियान का उद्देश्य पारिस्थितिकी संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाना और पर्यावरण की सुरक्षा में सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना था। इस कार्यक्रम में स्थानीय निवासियों और स्कूली बच्चों की सक्रिय भागीदारी देखी गई जिन्होंने निर्दिष्ट क्षेत्रों में देशी और फलदार वृक्ष प्रजातियों के पौधे लगाए। इस प्रयास का उद्देश्य क्षेत्र के हरित आवरण को बढ़ाना, पर्यावरण क्षरण का मुकाबला करना और सतत विकास को बढ़ावा देना है।

इस अभियान ने भावी पीढ़ियों के लिए पर्यावरण की रक्षा के महत्व को रेखांकित किया जिसमें प्रतिभागियों को उनके द्वारा लगाए गए पौधों का पोषण करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

अपने पर्यावरणीय लक्ष्यों से परे इस कार्यक्रम ने भारतीय सेना और स्थानीय समुदाय के बीच बंधन को मजबूत करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया।

दूर-दराज क्षेत्र की आबादी को मिला चिकित्सा एवं पशु चिकित्सा शिविर का लाभ

जम्मू, 11 जनवरी (हि.स.)। जन कल्याण के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हुए भारतीय सेना ने डोडा के चिल्ली गांव के गली भिटोली में चिकित्सा एवं पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। इस सद्भावना पहल का उद्देश्य स्थानीय आबादी और गुज्जर एवं बक्करवाल समुदायों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना तथा उनके पशुओं के लिए पशु चिकित्सा देखभाल प्रदान करना था। शिविर में दूरदराज और वंचित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की चिकित्सा आवश्यकताओं को संबोधित किया गया तथा स्वास्थ्य सुविधाओं तक नियमित पहुंच से वंचित लोगों को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान की गई। भारतीय सेना और नागरिक क्षेत्र के डॉक्टरों की एक टीम जिसमें एक महिला चिकित्सा अधिकारी और एक पशु चिकित्सा विशेषज्ञ शामिल थे ने परामर्श, उपचार और दवाएं प्रदान कीं।

कुल 172 पुरुषों और 215 महिलाओं को निःशुल्क चिकित्सा सेवा का लाभ मिला जिसमें जांच, प्रारंभिक जांच और सामान्य बीमारियों का उपचार शामिल था।

सतीश शर्मा ने केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल से मुलाकात की

असम 11 जनवरी। एफ़क्षीएस एवं सीए, परिवहन, युवा सेवाएं एवं खेल, सूचना प्रौद्योगिकी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, एआरआई एवं प्रशिक्षण मंत्री सतीश शर्मा ने केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल से मुलाकात की और जम्मू-कश्मीर में अंतर्देशीय जलमार्गों एवं शहरी जल परिवहन के विकास के संबंध में विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।

शुरू में, मंत्री ने झेलम नदी में नदी समुद्र-विहार पर्यटन के लिए जेटी, चेनाब, झेलम एवं रावी नदी के उचित नौवहन एवं संचालन के लिए छत्तबल वीयर की मरम्मत सहित जल परिवहन अवसंरचना एवं अंतर्देशीय जलमार्गों से संबंधित विशेष परियोजनाओं की घोषणा के लिए आभार व्यक्त किया। बातचीत के दौरान, मंत्री ने बंदरगाह मंत्रालय के भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के तहत जम्मू एवं कश्मीर में जलमार्गों/जल निकायों के विकास की अपार संभावनाओं पर जोर दिया। शिपिंग और जलमार्ग के लिए एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जो इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

सांबा पुलिस ने व्यक्ति से 3.18 ग्राम हेरोइन बरामद की

जम्मू 11 जनवरी (हि.स.)। नशा तस्करों के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए सांबा पुलिस ने पुलिस स्टेशन विजयपुर के अधिकार क्षेत्र में एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से लगभग 3.18 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

एसएचओ पीएस विजयपुर इंस्पेक्टर जहीर मुश्ताक के नेतृत्व में एक पुलिस पार्टी ने एनएचडब्ल्यू एम्स विजयपुर में नाका के दौरान पंजीकरण संख्या नम्बर जेके08एच-9926 वाली एक बाइक को जांच के लिए रोका। जांच के दौरान वाहन में सवार व्यक्ति के कब्जे से लगभग 3.18 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

ड्रग तस्कर की पहचान रॉकी वर्मा पुत्र नारायण दत्त निवासी तपियाल बरधानी घगवाल जम्मू के रूप में हुई है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और प्रतिबंधित सामान भी जब्त कर लिया गया है। पीएस विजयपुर में इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

युवाओं को लिखित परीक्षा के लिए किया तैयार

जम्मू, 11 जनवरी (हि.स.)। युवा सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के तहत भारतीय सेना के मुख्यालय काउंटर इंसर्जेंसी फोर्स (रोमियो) ने सुरनकोट में प्रादेशिक सेना (टीए) की लिखित परीक्षा के लिए गहन तैयारी कक्षाएं आयोजित कीं। इस पहल का लक्ष्य उन युवाओं को लक्षित करना था जिन्होंने पहले ही शारीरिक और चिकित्सा परीक्षण पास कर लिए थे ताकि उन्हें आज यानि 12 जनवरी को होने वाली परीक्षा में सफल होने के लिए ज्ञान और आत्मविश्वास से लैस किया जा सके।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 4 दिसंबर, 2024 से शनिवार 10 जनवरी तक 38 दिनों तक चला और इसमें सेना के संपूर्ण जिम्मेदारी वाले क्षेत्र से 172 उम्मीदवारों ने भाग लिया। ये कक्षाएं मुख्यालय 6 सेक्टर राष्ट्रीय राइफल्स के तत्वावधान में आयोजित की गईं जिसमें सुरनकोट में केंद्रीकृत प्रशिक्षण सुविधाएं स्थापित की गईं। पहले की पहल की निरंतरता के रूप में जहाँ 482 युवाओं को टीए शारीरिक परीक्षणों के लिए प्रशिक्षित किया गया था। इस चरण में अकादमिक तैयारी पर ध्यान केंद्रित किया गया। प्रतिभागियों को उनकी परीक्षा की तैयारी में सहायता के लिए पुस्तकें और अध्ययन सामग्री दी गई।

उम्मीदवारों ने भारतीय सेना के प्रयासों के लिए गहरी सराहना व्यक्त की और इस तरह की पहलों की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार किया जो क्षेत्र के युवाओं के बीच कैरियर के अवसर प्रदान करने और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

संपादकीय

जम्मू कश्मीर अभी भी भ्रष्टाचार से मुक्त नहीं

2014 से जम्मू-कश्मीर के मामलों को संचालित करने वाले लोगों द्वारा दिए गए बयानों पर एक नज़र डालने पर, कोई भी यह उम्मीद कर सकता है कि इस क्षेत्र में एक भी इकाई को भ्रष्टाचार में लिप्त होने की अनुमति नहीं दी गई है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एलजी मनोज सिन्हा सहित कई बार इस क्षेत्र में भ्रष्टाचार के खिलाफ़ जीरो टॉलरेंस का दावा किया गया है, जो एक समय देश के सबसे भ्रष्ट राज्यों में से एक के रूप में बदनाम था और उस समय किए गए लगभग सभी सर्वेक्षणों में इसे देश के शीर्ष पांच भ्रष्ट राज्यों में रखा गया था।

निश्चित रूप से, ऐसे राज्य में भ्रष्टाचार को रोकना कोई आसान काम नहीं था, लेकिन सत्ता के शीर्ष स्तर से यह दावा किया जाता था कि भ्रष्टाचार जम्मू-कश्मीर में अतीत की बात हो गई है क्योंकि भ्रष्टाचार विरोधी निकायों को इस अभिशाप को रोकने के लिए पूर्ण अधिकार दिए गए हैं।

हालांकि कर्णधारों द्वारा किए गए दावों को चुनौती देना बिल्कुल भी अच्छा विचार नहीं है, लेकिन जम्मू-कश्मीर में भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले सामने आ रहे आंकड़े प्रसारित किए जा रहे आंकड़ों के विपरीत हैं क्योंकि ऐसा कोई क्षेत्र या सेक्टर नहीं है जहां 2019 में जम्मू-कश्मीर के केंद्र शासित प्रदेश के रूप में पतन और 2024 में लोकप्रिय सरकार की स्थापना तक केंद्र द्वारा शासित होने के बाद भी भ्रष्टाचार के मामले सामने नहीं आ रहे हैं। इस श्रृंखला में नवीनतम मामला श्रीनगर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के दो वरिष्ठ अधिकारियों का है, जिन पर जम्मू-कश्मीर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने आय से अधिक संपत्ति (डीए) के मामलों में मामला दर्ज किया है। एसीबी ने कथित तौर पर एक मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) और एक कार्यकारी अभियंता सहित उपरोक्त अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने से पहले गुप्त सत्यापन किया था। यह वास्तव में पीड़ादायक है कि सरकार द्वारा बयानबाजी और यहां तक कि मीडिया में आई रिपोर्टों के माध्यम से जो दिखाया जा रहा है, उसके विपरीत, जहां तक भ्रष्टाचार की व्यापकता का सवाल है, जम्मू-कश्मीर में स्थिति निराशाजनक है क्योंकि यह जम्मू-कश्मीर के इतिहास में पहली बार था कि एक पूर्व राज्यपाल ने सरकार और देश के कुछ विशिष्ट संस्थाओं में उच्च पदों पर बैठे लोगों पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए थे, विभिन्न विभागों में कई पदों को भरने के लिए भर्ती प्रक्रिया भी केवल कथित भ्रष्टाचार के कारण उलझी हुई थी और हाल ही में अग्निशमन और आपातकालीन विभाग में भर्ती में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के खुलासे ने इस बात की पुष्टि की है कि अभी भी समय नहीं आया है कि जम्मू-कश्मीर से भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने का श्रेय शीर्ष नेतृत्व को दिया जाए क्योंकि यह अभिशाप अभी भी आम आदमी को कठिन समय दे रहा है, जिसका दोषी उच्च अधिकारियों या सिस्टम में रहने वाले भ्रष्ट लोगों से कोई संबंध नहीं है। हालांकि यह अप्रिय है, लेकिन यह सच है कि जम्मू-कश्मीर में भ्रष्टाचार बहुत अधिक है और इसकी जड़ें काफी गहरी हैं। इसलिए यह जरूरी है कि सत्ता में बैठे लोग इस बुराई को मिटाने के लिए एक अधिक कठोर योजना बनाएं, जो समाज के प्राणों को खा रही है, और उसके बाद ही हितधारकों से सराहना की उम्मीद करें, क्योंकि श्रेय और प्रशंसा मांगने से पहले बहुत कुछ हासिल करना होगा।

स्वप्न-उमंग से भरपूर आत्मचेतन का नाम युवा

हृदयनारायण दीक्षित

तरुणाई एक विशेष अनुभूति है। स्वप्न देखने की अभिलाषा। इस अनुभूति में विराट आकाश भी छोटा हो जाता है। तरुणाई है चेतन मन का विशेष छन्द। तब नाचने का मन करता है। ऊर्जा का गहन अतिरेक, ओजस् तेजस से भरपूर चित्त। सतत् पुनर्नवा गतिशीलता। जिज्ञासु प्रश्नाकुलता। धरती से आकाश तक उड़ान को तत्पर जिजीवीषा। मन में शिव संकल्प। शिव संकल्प के प्रति श्रद्धा और संकल्प में बल। लक्ष्य के प्रति सतत् संकल्पबद्ध अनुभूति का नाम है- तरुणाई। युवा होना सिर्फ कम उम्र का होना नहीं है। तरुणाई की अनुभूति में उम्र का कोई बंधन नहीं होता। 80 बरस के युवा देखे गये हैं और 25 बरस के वृद्ध। सतत् जिज्ञासा, सतत् स्वप्न, सतत् कर्म, सतत् मस्त मन और स्वप्न-उमंग से भरपूर आत्मचेतन का नाम युवा है। स्वप्नहीनता और निराशा बुढ़ापा है। गहन आशा और शिव संकल्पों वाला मन ही तरुणाई है। मनुष्य की तरह राष्ट्र भी जीवमान सत्ता हैं।

राष्ट्र भी उम्र से बूढ़े नहीं होते, कम उम्र के राष्ट्र युवा नहीं होते। पाकिस्तान की उम्र अभी 77 बरस ही है और भारत हजारों वर्ष प्राचीन। तो क्या भारत बूढ़ा है? और पाकिस्तान युवा? नहीं भारत चिरयुवा है और नित्य नूतन भी। पाकिस्तान इतिहास के मध्यकाल में ही जीने के कारण बूढ़ा है।

आज स्वामी विवेकानन्द की जन्म तिथि है। वे भारत की तरुणाई को जगा रहे थे। 1974 में उभरा युवा आन्दोलन उम्र से वयोवृद्ध लेकिन मन से युवा जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में राष्ट्रव्यापी था। इसे 'सम्पूर्ण क्रान्ति' का आन्दोलन कहा जाता है। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी की सत्ता ने इस आन्दोलन को रौंदा, आपातकाल लगाया। देश कैदखाना बना। लेकिन युवा आन्दोलन ने तानाशाह सत्ता का तख्ता पलट दिया। सत्ता हिंसक रही लेकिन युवा आन्दोलनकारी अहिंसा के व्रती रहे। स्वाधीनता आन्दोलन में महात्मा गांधी ने युवकों में जोश भरा था।

वे 'यंग इण्डिया' में लिखते थे, युवा भारत से सम्वाद बनाते थे। स्वामी विवेकानन्द ने भी युवकों को विशेष रूप से सम्बोधित किया। युवा ऊर्जा से भरपूर होते हैं। वे नये होते हैं और नया चाहते हैं। उन्हें प्यार चाहिए, प्यार के साथ ज्ञान चाहिए, ज्ञान के साथ अनुभूतिपरक आत्मबोध चाहिए। आत्मबोध के साथ राष्ट्रीय गौरवबोध चाहिए। एक वास्तविक इतिहास बोध चाहिए। विदेशी विद्वानों की विचारधारा से लदा फंदा इतिहासबोध नहीं।

भारत के युवकों में विवेकानन्द की प्रासंगिकता बढ़ गयी है। जन्म की 150वीं वर्षगांठ के उत्सव प्रेरक रहे हैं। भारत की जनसंख्या में 25 साल की उम्र वाले युवकों का प्रतिशत 40 पार हो रहा है। उम्र और आंकड़ेबाजी के हिसाब से भारत 'तरूण भारत' हो गया है। भारत को 'इण्डिया' बताने वाले युवकों को 'यंग इण्डिया' बता रहे हैं। तो क्या भारत 21वीं सदी में ही युवा हुआ है? वैदिक काल और उत्तर वैदिक काल का भारत अग्निधर्मा युवा राष्ट्र था। अपनी मेधा में दीप्त था। स्वप्नद्रष्टा था। समूचे ब्रह्माण्ड के रहस्य जान लेना चाहता था। यहां सभी देव प्रतीक युवा हैं। तन से और मन से भी। श्रीराम चिर युवा हैं। श्रीकृष्ण की तरुणाई गजब की। संगीत और अस्त्र साथ-साथ। बासुरी से लोक सम्मोहन का संगीत और सुदर्शन चक्र से बुरे का वध। वैदिक ऋषियों ने गहन अनुभूति में स्वयं को 'अमृत पुत्र' जाना था। ऋग्वेद, यजुर्वेद और श्वेताश्वतर उपनिषद् में एक साथ आए एक मंत्र में कहते हैं, श्रृणवन्तु विश्वे अमृतस्य पुत्रा-विश्व के विभिन्न लोकों के सभी अमृत पुत्र सुने।

स्वामी विवेकानन्द ने भी अमृतपुत्र कहते हुए भारतवासियों का आह्वान किया था। ऋग्वेद का 'पुरुष' प्रतीक सदा तरुण युवा है। इसके पुरुष सूक्त (10.90) का 'पुरुष' यजुर्वेद और अथर्ववेद में भी एक जैसा युवा है। इस पुरुष की महिमा मजेदार है- जो भूतकाल में हो चुका और जो भविष्य में होगा, वह सब यही पुरुष है। यह लगातार बढ़ रहा है अमृतस्वरूप है। सदा तरुण है यह तत्व। अमृत तत्व मनुष्य की आदिम अभिलाषा है। सब देखते हैं कि मनुष्य मरणधर्मा है। जो आया है, सो जाता है। अमरत्व किसी को नहीं मिला। यह जानते हुए भी अमरतत्व की प्यास है। अमरत्व की शोध में वैज्ञानिक भी श्रमरत हैं। उन्होंने सौ शरद् जीने की स्तुतियां की लेकिन अभीप्सा में अमरत्व ही था। कारण साफ है कि हम सब अमर चेतन से ही जीवन में आए हैं। मृत्यु शरीर छीनती है लेकिन अमरत्व नहीं मरता।

उपनिषदों में युवा चेतना है। कठोपनिषद् में युवा नचिकेता और मृत्यु के देवता का प्रीतिपूर्ण सम्वाद है। नचिकेता के लिए कुमार होते हुए भी विचार करने लगा शब्द आए हैं। कथा बड़ी प्यारी है। पिता विश्वजित यज्ञ करवा रहे थे लेकिन बूढ़ी गायों का दान दे रहे थे। युवा नचिकेता ने सीधे पिता से ही प्रश्न पूछा ऐसी अशक्त, दूध न देने वाली बूढ़ी गायों का दान क्यों दे रहे हैं? यज्ञ में तो प्रिय का दान दिया जाता हे, आप मुझे किसे देंगे? नचिकेता ने तीन बार यही प्रश्न पूंछा, गुस्साए पिता ने कहा मैं तुझे मृत्यु को देता हूं-मृत्यवे त्वं ददामिति। (वही 4) कथा के अनुसार नचिकेता मृत्युदेव यम के घर पहुंचा। नचिकेता और उसके पिता के आचरण स्वाभाविक हैं। पिता थे तो ऋषि लेकिन फल की इच्छा से विश्वजित यज्ञ करवा रहे थे। नचिकेता युवा था।

युवा आग्रह असाधारण होते हैं। विवेकानन्द के स्वप्नों वाले युवकों के लिए यह संवाद उपयोगी हैं। यमराज ने उसे तीन मनपसंद उपलब्धियां देने का आश्वासन दिया। नचिकेता ने पहला वर मांगा मेरे पिता का गुस्सा मेरे प्रति शान्त हो। वे प्रसन्न रहें। यम ने यह वर दे दिया। नचिकेता ने दूसरा वर मांगा स्वर्ग में बुढ़ापा नहीं। भय नहीं और न मृत्यु। लेकिन यह स्वर्ग 'अग्नि विज्ञानी' को ही मिलता है। मेरी अग्नि विज्ञान में आस्था है, आप मुझे अग्नि विज्ञान पढ़ाइए। (वही 12, 13) यमराज ने अग्नि विज्ञान बताया।

मृत्यु के बाद के रहस्य विज्ञान की चुनौती हैं। साधारण युवा इस रहस्य के प्रति प्रश्नाकुल नहीं होते। युवा नचिकेता ने तीसरा वर मांगा मरे हुए मनुष्यों के बारे में संशय हैं। कुछ लोग कहते हैं कि मरने के बाद आत्म तत्व शेष रहता है, कुछ लोग कहते हैं कि नहीं रहता। आप बताए सही क्या हैं? (वही 20) यह प्रश्न आज भी जस का तस है। यमराज ने कहा कि इस प्रश्न पर प्राचीनकाल से संशय है। तुम कोई दूसरा वर मांगो। नचिकेता ने कहा कि जब पूर्वकाल से ही यह प्रश्न संशय में है और आप इसके ज्ञाता हैं तो इसी प्रश्न का उत्तर दीजिए। भारत के सुदूर अतीत के युवा मृत्यु रहस्यों को जानने पर जोर दे रहे थे। युवा विवेकानन्द ने भी गुरू रामकृष्ण से ऐसे ही रहस्य जानने की जिज्ञासाएं की थीं।

सांसारिक सुख ढेर सारे। वे स्वाभाविक ही आकर्षित करते हैं। यम ने नचिकेता से कहा, ढेर सारा धन लो, सौ वर्ष की स्वस्थ आयु लो, पुत्र पौत्र लो, राजा बनौ। नचिकेता ने कहा वे क्षणभंगुर हैं। मनुष्य कभी धन से तुष्ट नहीं होता। जीवन मरणधर्मा है। आप कृपया वही बताएं। यमराज ने नचिकेता की जिज्ञासा की प्रशंसा की। तुमने सांसारिक सुखों की तुलना में आत्मबोध को महत्व दिया है। तुम सत्य धृति हो। हमें तुम्हारे जैसे प्रश्नकर्त्ता ही मिला करें। यम ने नचिकेता को सारा तत्व ज्ञान दिया और कहा कि यह आत्मतत्व तर्क, प्रवचन या मेधा से नहीं मिलता। कहा, उठो, जागो, इच्छित बोध पाओ-उत्तिष्त जागृत प्राप्यवरान्नि बोधत। स्वामी विवेकानन्द इस मंत्र को दोहराते थे। भारत के युवकों को ऐसा ही आत्मबोध चाहिए।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

स्वामी विवेकानंद : तेजस्वी भारत के स्वप्नद्रष्टा

गिरीश्वर मिश्र

संन्यास और वैराग्य जैसे शब्द अक्सर दीन-दुनिया से दूर आत्मान्वेषण और परमार्थ की दिशा में गहन और नितांत निजी यात्रा से जोड़ कर देखा जाता है। मुक्ति की अभिलाषा स्वाभाविक रूप से मनुष्य को अंतर्यात्रा की ओर ही आगे ले जाती है। लोक-जीवन की परम्परा में भी आत्मबोध के लिए उत्सुकता को इसी छवि में देखने की प्रथा है। इस आम धारणा के विरुद्ध उन्नीसवीं सदी के अंत में जब भारत अंग्रेजों के नियंत्रण में एक उपनिवेश था एक अद्भुत चमत्कारी घटना हुई जिसने भारत के प्रसुप्त स्वाभिमान को जगाया और उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैचारिक जगत में प्रतिष्ठित भी किया। यह घटना थी भारत भूमि पर स्वामी विवेकानंद के रूप में एक ऐसी विशिष्ट प्रतिभा का अवतरण जिसने संन्यास के समीकरण को पुनर्परिभाषित किया और अध्यात्म के सामाजिक आयाम को व्यावहारिक धरातल पर प्रतिष्ठित किया। इसके पीछे गुलाम भारत की घोर विपन्नता, सामाजिक भेदभाव और द्वंद्व से उपजी पीड़ा का उनका साक्षात्कार प्रमुख कारक थे। गुरुदेव श्री रामकृष्ण परमहंस के संस्पर्श से नरेंद्रनाथ दत्त स्वामी विवेकानंद में रूपांतरित हुए थे। उन्होंने न केवल धर्म के अभ्युदय का मार्ग प्रशस्त किया अपितु भारत ही नहीं वैश्विक स्तर पर मानव जाति के लिए एक नए युग का सूत्रपात किया। गुरुदेव के स्वर्गवास के बाद विवेकानंद विरक्त हो गए और देश का भ्रमण किया। देश के दैन्य को देख उनके मन में लोक-कल्याण के प्रति आकृष्ट किया।

धर्म के उत्थान और मानव-कल्याण के लिए गुरुदेव श्री रामकृष्ण परमहंस के अनुग्रह से सिक्त एक महाशक्ति स्वामी विवेकानंद में घनीभूत हुई थी। इसका सुपरिणाम था कि अल्पायु में ही तेजस्वी और प्रतिभाशाली युवा स्वामी ने वह कर दिखाया जो सामान्य व्यक्ति के लिए अकल्पनीय था । सुदृढ कद काठी और भव्य व्यक्तित्व के धनी स्वामी विवेकानन्द तीक्ष्ण बुद्धि और तीव्र स्मरणशक्ति से सम्पन्न थे। उनकी भौतिक उपस्थिति ऐश्वर्यशाली थी। उन्होंने भारत में अनेक यात्राएँ कीं और सीखते सिखाते रहे। उनहोने पाश्चात्य और भारतीय चिंतन प्रणालियों को भलीभाँति आत्मसात् किया।

वर्ष 1892 में शिकागो में हुए सर्वधर्म सम्मेलन में उनकी भागीदारी ने भारत के प्रति शेष विश्व की दृष्टि को बदलने में बड़ी भूमिका निभाई। औपचारिकता से दूर हृदय से निकले उनके शब्दों ने जादू का काम किया। उनके व्याख्यान ने सबके मन को छू लिया ।

उन्होंने हिंदू धर्म को सभी धर्मों के उत्स या विचारधाराओं की जननी के रूप में प्रस्तुत किया जिसकी मुख्य शिक्षा थी 'एक दूसरे को समझो और स्वीकार करो'। पूरे वक्ता समुदाय में एक वही ऐसे वक्ता थे जो सब दृष्टियों से खुल कर संवाद कर रहे थे। वे सब को एक सार्वभौम सत्ता में आबद्ध कर रहे थे। वह तर्क दे रहे थे कि समन्वय से ही मनुष्य में निहित दिव्यता और उत्थान की अपरिमित संभावना है। स्वामी विवेकानंद की वाग्मिता ने सबको प्रभावित किया। कुछ लोग इससे आतंकित भी हुए और विरोध भी किया पर वे डिगे नहीं। उन्होने पारस्परिक ईर्ष्या और संकीर्णता का परित्याग कर हर एक की धार्मिक और सामाजिक स्वतंत्रता की रक्षा करते हुए लौकिक और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करने की ज़रूरत पर बल दिया और विचारों के आदान-प्रदान की आवश्यकता प्रतिपादित की ।

'अद्वैत' की अवधारणा की अद्भुत व्याख्या करते हुए उन्होंने एक सत्य की अनेक व्याख्याओं को संगत बताया। भारतीय दृष्टि की विशालता को प्रतिपादित करते हुए उन्होंने इस ईश्वरीय भाव को उद्धृत किया 'किसी भी रूप में जो मेरे पास आएगा, उसको मिलूँगा' जैसा गीता में कहा गया है- 'यो यथा माम् प्रपद्यंते तांस्तथैव भजाम्यहम्' । साथ ही विभिन्न मार्गों से चल कर सभी ईश्वर तक पहुँचेंगे क्योंकि एक सत्य के प्रति दृष्टियाँ कई हो सकती हैं- एकं सत् विप्रा- बहुधा वदंति । धार्मिक असहिष्णुता और कट्टरता को समाप्त करने का आह्वान सबको प्रभावित करने वाला था। सार्वभौम धर्म का स्वरूप और संभावना के प्रति वे आश्वस्त थे।

अमेरिका की यात्रा ने विवेकानंद की तेजस्विता, स्वाधीनता और निष्ठा को सम्मान दिलाने में प्रमुख भूमिका निभाई। वे एक लोकप्रिय और प्रभावी वक्ता के रूप में शीघ्र ही प्रसिद्ध हो गए। युक्ति और तर्क के साथ स्वामी जी ने वेदान्त के संदेश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसारित किया और योग तथा आत्म-ज्ञान जैसे विषयों को प्रासंगिक साबित करते हुए उनमें लोगों की रुचि भी बढाई। स्वयं धर्ममय जीवन के एक जीते जागते आदर्श के रूप में स्वामी जी ने अनेक लोगों को प्रभावित किया और अनेक विद्वान और विदुषियाँ उनके अनुयायी और शिष्य बन गए। वैश्विक परिभ्रमण और सार्वभौम धर्म का प्रचार करते हुए वे अमेरिका, फ्रांस, इंग्लैंड, जर्मनी, तथा स्विट्जरलैंड आदि देशों में चार वर्ष की अविराम बौद्धिक यात्रा की। भारत के विषय में पाश्चात्य मानस को एक नई दृष्टि तो दी ही स्वयं स्वामी विवेकानंद के अभीष्ट सार्वभौम विश्व धर्म के आदर्श को परिपुष्ट किया। वह यह भी सोचने लगे कि यदि भारत के महान चिंतन को प्रतिष्ठित करना है तो पश्चिम में उन विचारों के बीजों को बोना होगा।

मई 1897 में अपने पूज्य गुरुदेव के कार्य को आगे बढ़ाने के लिए स्वामी विवेकानंद द्वारा 'रामकृष्ण मिशन' की स्थापना की गई। इसका प्रमुख उद्देश्य 'उन सत्यों का प्रचार करना निश्चित किया गया जिन्हें श्री रामकृष्ण ने मानवता के कल्याण के लिए आने आचरण द्वारा प्रतिपादित किया था । संस्था मनुष्य जाति को उसकी लौकिक, मानसिक, और आध्यात्मिक उन्नति हेतु उनका आचरण करने में उनकी सहायता करेगी। इस संस्था का कर्तव्य होगा रामकृष्ण द्वारा शुरू किए गए विभिन्न धर्मों को एक ही शाश्वत धर्म के ववधि रूप मानते हुए उनके अनुयायियों के बीच भाई-चारे की स्थापना करने के लक्ष्य को समुचित भाव से निर्देशित करना। इसके लिए तीन प्रकार के कार्यक्रम निश्चित हुए - ऐसे लोगों को प्रशिक्षित करना जो ज्ञान या विज्ञान सिखाने में समर्थ हों जिससे आम जनों का भौतिक और आध्यात्मिक उत्थान हो सके। शिल्प और उद्योगों को विकसित और प्रोत्साहित करना दूसरा कार्यक्रम था। मिशन श्री राम कृष्ण के जीवन में उद्घाटित वेदांत और अन्य धार्मक विचारों का जनसाधारण के बीच प्रसार करेगा। इस हेतु मिशन की भारतीय और विदेशी दो शाखाएँ स्थापित होंगी।

स्वामी विवेकानंद ने स्वदेशवासियों को कर्मयोग में दीक्षित करने का ब्रत ठाना। उन्होंने पूरे भारत का भ्रमण किया और सर्वत्र जन समुदाय को प्रेरित प्रोत्साहित करते रहे। समाज में व्याप्त निश्चेष्ट जड़ता को देख वे कहते थे - उठो जागो और स्वयं जग कर दूसरों को भी जगाओ । समाधान के रूप में वे वेदान्त को कर्म के स्तर पर लाने की सतत चेष्टा करते रहे । उनका लक्ष्य था पारस्परिक सद्भाव और सहिष्णुता को ध्यान में रखते हुए पूर्व और पश्चिम के भेद से ऊपर उठ कर ऐसी सार्वभौमिक धर्मदृष्टि का प्रतिपादन जो समस्त मानवता के लिए उपयोगी हो । पश्चिम के साथ सम्पर्क ने स्वामी जी को जहां पौरुष और बहुमुखी व्यक्तित्व के महत्व से प्रभावित किया वहीं उनको भारतीय आत्मा के साथ और अधिक निकटता भी पैदा की। एक अपरिग्रही और मात्र ईश्वर के भरोसे रहने वाले स्वामी ने अपनी शक्ति को संगठित किया । भारत में अपने अभियान को स्पष्ट करते हुए स्वामी विवेकानंद ने जो वक्तव्य मद्रास में दिया था वह आज भी मन को आलोकित करता है -

मेरे भारत जागो ! कहाँ है तुम्हारी प्राण शक्ति? तुम्हारी ही अमर आत्मा में है वह ज प्रत्येक राष्ट्र का, प्रत्येक व्यक्ति की भाँति जीवन का एक मूल उद्देश्य होता है, एक केंद्र बनता है, वादी स्वर होता है जिसका अवलम्बन कर अन्य स्वर संगीत में स्वर-संगति पैदा करते हैं / जो राष्ट्र अपनी प्राण शक्ति को छोड़ना चाहता है, सदियों से प्रवाहित अपनी धारा की दिशा को बदलना चाहता है, वह राष्ट्र नष्ट हो जाता है। किसी राष्ट्र की प्राणशक्ति राजनैतिक सत्ता है जैसे इंग्लैंड की, तो किसी की कलात्मक जीवन और किसी की कुछ और। भारत का केंद्र है - धार्मिक जीवन, राष्ट्रीय जीवन संगीत का वही आदि स्वर है इसलिए यदि तुम अपने धर्म को त्याग कर राजनीति और समाज को पकड़ोगे तब तुम लुप्त हो जाओगे। समाज सुधार एवं राजनीति की शिक्षा तुम्हें अपने धर्म के जीवंत माध्यम से देनी होगी ज्प्रत्येक व्यक्ति की भाँति प्रत्येक राष्ट्र को अपना मार्ग चुनना है। हम युगों पूर्व अपना मार्ग चुन चुके हैं और वह है अनित्य से आत्मा का मार्गज् इसे कोई कैसे त्याग सकता है? ज तुम कैसे अपने स्वभाव को बदल सकते हो?

(लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।)

'प्रभुजी मेरे अवगुण चित न धरो...' भजन ने बदल दिया स्वामी विवेकानंद का जीवन

डॉ. लोकेश कुमार

गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने कहा था कि 'यदि आप भारत को जानना चाहते हैं तो विवेकानंद को पढ़िए...। उनको आप सकारात्मक ही पाएंगे, नकारात्मक कुछ भी नहीं।' स्वामी विवेकानन्द के जन्मदिन को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में पूरा देश मनाता है। उनका जन्म 12 जनवरी को हुआ था। उनकी जीवन यात्रा से हमें सीख मिलती है कि व्यक्ति की उम्र कितनी भी कम हो, लेकिन वह जीवन में कुछ ऐसा कर सकता है कि सदियों तक उसे भुलाया नहीं जा सकता। उनकी जीवन यात्रा मात्र 39 साल की रहीं। उनकी यात्रा उन युवाओं के लिए नजीर है, जो 39 वर्ष तक समझ नहीं पाते कि उन्हें जीवन में क्या करना है? ऐसी स्थिति से निराकरण के लिए विवेकानन्द ने युवाओं को आह्वान किया कि 'उठो, जागो, स्वयं जागकर औरों को जगाओ।अपने नर जन्म को सफल करो और तब तक नहीं रुको, जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए।'

विवेकानंद केवल संत ही नहीं, वक्ता, विचारक और एक महान देशभक्त थे। उनका सम्बंध राजस्थान से भी जुड़ा हुआ है। खेतड़ी राजा अजीत सिंह स्वामी विवेकानंद के मित्र और शिष्य थे। अजीत सिंह ने उन्हें सच्चिदानंद नाम रखने के स्थान पर विवेकानंद नाम रखने का सुझाव भी दिया था। विवेकानंद अपने जीवनकाल में तीन बार खेतड़ी आए। उनके शिकांगो धर्म सम्मेलन में जाने की व्यवस्था अजीत सिंह ने ही की थी। 1893 में महाराज अजीत सिंह ने स्वामी विवेकानंद के खेतडी में आने पर भव्य समारोह का भी आयोजन किया गया था। उस समारोह में एक नर्तकी का गाने का भी कार्यक्रम रखा गया। इस समारोह से स्वामी विवेकानंद नर्तकी के कार्यक्रम को देखे बिना ही जाने लगे क्योंकि उनका मानना था कि एक संन्यासी वहां रुककर क्या करेंगे? महाराजा अजीत सिंह ने उन्हें वहां रुकने की प्रार्थना की। इस बारे में नर्तकी को पता चला तो उसने सूरदास का लिखा भजन 'प्रभुजी मेरे अवगुण चित न धरो, प्रभु नाम तिहारो, चाह तो पार करो।' भजन के बोल सुनने के बाद विवेकानंद के आंखों से आंसुओं की धारा फूट पड़ी और उन्होंने नृतकी को मां कहकर सम्बोधित किया और कहा, आज मुझे महसूस हुआ है कि भक्ति किस स्तर पर की जा सकती है।卐

कुछ लोगों का मानना है कि इस घटना के बाद उन्हें सच्चे ज्ञान की प्राप्ति हुई। उनका मानना था कि यह सब ईश्वर की करनी है।' इस बात की पुष्टि इससे कर सकते हैं कि अमेरिका के शिकांगो में स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि 'किसी वेश्या को देखकर घृणा नहीं करें, वो हजारों महिलाओं के सम्मान की रक्षा कर रही हैं, हमें उनसे नफरत नहीं बल्कि उनका सम्मान करना चाहिए।'

1893 में संयुक्त राज्य अमेरिका में आयोजित धर्म सम्मेलन में उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व किया। उन्हें बोलने का 2 मिनट का समय दिया गया। उन्होंने अपने भाषण के प्रारंभ 'मेरे अमेरिकी बहनों और भाइयों ' शब्द ने सभी का मन मोह लिया। इसके बाद उन्होंने इंग्लैण्ड और यूरोप के कई 卐 कई शहरों में हिन्दू दर्शन के सिद्धांतों का प्रचार- प्रसार करते हुए कई निजी और सार्वजनिक व्याख्यानों का आयोजन किया। उनके व्याख्यानों से एक विदेशी महिला इस कदर प्रभावित हुई कि उन्होंने विवेकानंद से शादी का प्रस्ताव तक रख दिया। विदेशी महिला ने यहा तक कहा कि आप मुझसे शादी कर लेंगे तो मुझे आप जैसा योग्य पुत्र प्राप्त होगा। महिला की बात सुनकर एक बार तो विवेकानंद बहुत गंभीर हो गए और समझाते हुए कहा कि मैं तो संन्यासी हूं, शादी नहीं कर सकता। लेकिन मैं आपकी मेरे जैसे पुत्र होने की अभिलाषा को पूरी कर सकता हूं। महिला ने तत्परता से कहा कि कैसे? विवेकानंद ने कहा कि आप मेरी मां बन जाएं, आपको मेरे जैसा पुत्र भी मिल जाएगा। यह बात सुनकर महिला उनके चरणों में गिरकर कहने लगी आप ईश्वर के समान हैं, जो किसी भी परिस्थितियों में अपने धर्म के मार्ग से विचलित नहीं होते हैं। उन्होंने हर परिस्थितियों में भी नारी का सम्मान करने से भी पीछे नहीं हटे।

वे 25 साल की उम्र में संन्यासी बन गए थे। उस समय भारत में ब्रिटेन की हुकूमत की थी। अंग्रेजों का शासन था। वे सशस्त्र क्रांति के माध्यम से देश को आजादी दिलाना चाहते थे, लेकिन उन्होंने पाया कि अभी जनता में इन इरादों के परिपक्वता नहीं है। इसलिए उन्होंने 'एकला चलो' की नीति अपनाते हुए देश और दुनिया को खंगाल डाला। उन्होंने पाया कि पराधीनता के कारण भारत के लोगों का आत्म-सम्मान, स्वावलम्बन और आत्म गौरव पूर्णतः समाप्त हो गया है। वे कहा करते थे कि 'मुझे बहुत से युवा संन्यासी चाहिए, जो भारत के गांवों में फैलकर देशवासियों की सेवा में खप जाएं। उनका यह सपना सपना ही रह गया। वे रूढ़िवादिता, धार्मिक आडम्बरों, कठमुल्लापन का कड़ा विरोध करते थे। महात्मा गांधी ने स्वामी विवेकानंद के लिए कहा था कि ' उनके कार्यों को पढ़ने के बाद मेरा उनके प्रति प्रेम, हजारों गुणा बढ़ गया है।'

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

लॉस एंजिल्स के जंगलों में लगी आग के कारण लेकर्स और हॉर्नेट्स का मैच हुआ स्थगित

एजेंसी

लॉस एंजिल्स। अमेरिका के लॉस एंजिल्स प्रांत के जंगलों में लगी भीषड़ आग के कारण राष्ट्रीय बॉस्केटबॉल एसोसियेशन (एनबीए) ने लॉस एंजिल्स लेकर्स और शार्लोट हॉर्नेट्स के बीच होने वाले बॉस्केटबॉल मैच को स्थगित कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एनबीए ने कहा, पूरा एनबीए परिवार इस चुनौतीपूर्ण समय के दौरान लॉस एंजिल्स के समुदाय के लिए अपनी संवेदनाएँ और समर्थन व्यक्त करता है। एनबीए ने कहा कि मैच की पुर्ननिर्धारित तिथि की घोषणा बाद में की जाएगी।

तमीम इकबाल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की पुष्टि की। तमीम की घोषणा बांग्लादेश चयन पैनल द्वारा आगामी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए खुद को उपलब्ध रखने के लिए कहने के बाद आई है। तमीम ने अपने आधिकारिक फेसबुक पेज पर लिखा, 'मैं लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर हूं। वह दूरी बनी रहेगी. अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मेरा अध्याय खत्म हो गया है। मैं काफी समय से इस बारे में सोच रहा था. अब जब चैंपियंस ट्रॉफी जैसा बड़ा आयोजन आ रहा है, तो मैं किसी का ध्यान उस पर केंद्रित नहीं करना चाहता, जिससे टीम अपना फोकस खो सकती है' बेशक, मैं पहले भी ऐसा नहीं चाहता था।' उन्होंने कहा, कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो ने ईमानदारी से मुझसे टीम में लौटने के लिए कहा। चयन समिति से भी चर्चा हुई. मुझे अभी भी टीम में मानने के लिए मैं उनका आभारी हूं। हालाँकि, मैंने अपने दिल की बात सुनी है। तमीम ने फरवरी 2007 में हारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ एकदिवसीय मैच से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। उन्होंने जल्द ही सभी प्रारूपों में अपनी छाप छोड़ी और खुद को बांग्लादेश टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में से एक के रूप में स्थापित किया। बाएं हाथ का बल्लेबाज अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मुश्फिकुर रहीम के बाद बांग्लादेश के लिए दूसरा सबसे ज्यादा रन बनाने वाला खिलाड़ी है। तमीम के नाम सभी प्रारूपों में बांग्लादेशी बल्लेबाज के रूप में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय शतक भी हैं।

पंजाब एफसी ने नॉर्थईस्ट यूनाइटेड से छीनी जीत, ड्रा कराया मैच

गुवाहाटी। पंजाब एफसी ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में पहली बार ड्रा खेलकर लगातार चार मैचों के हार के सिलसिले को आखिरकार तोड़ दिया। पंजाब ने अंतिम समय में हुए गोल की मदद से इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में खेले गए आईएसएल 2024-25 मुकाबले में मेजबान नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी को 1-1 की बराबरी पर रोक दिया। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के लिए मोरोक्कन विंगर अलाएद्दीन अजारेई ने 24वें मिनट में सीजन का अपना 15वां गोल किया जबकि पंजाब एफसी की ओर से मिडफील्डर खैमिंथांग लहुंगडिम ने 82वें मिनट में बराबरी का गोल किया। इस मुकाबले में रैफरी तेजस नागवेंकर ने दोनों हेड कोचों जुआन पेड्रो बेनाली और पेनागियोटिस दिलमपेरिस को डबल येलो (रेड कार्ड) कार्ड दिखाए। उन्होंने कुल 14 येलो कार्ड दिखाए। पंजाब एफसी के बोस्नियाई लेफ्ट-विंगर अस्मिर सुल्जीक को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। हाईलैंडर्स के हाथ से जीत फिसलने से स्पेनिश हेड कोच जुआन पेड्रो बेनाली निश्चित रूप से निराश होंगे। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी 15 मैचों में छह जीत, पांच ड्रा और चार हार से 23 अंक लेकर तालिका में छठे से पांचवें स्थान पर आ गई है। वहीं, पंजाब एफसी द्वारा पिछड़ने के बाद बराबरी हासिल करने से ग्रीक हेड कोच पेनागियोटिस दिलमपेरिस जरूर राहत महसूस कर रहे होंगे।

आईएसएलः ईस्ट बंगाल एफसी पर दबदबा बरकरार रखना मैरिनर्स का लक्ष्य

गुवाहाटी। मोहन बागान सुपर जायंट इंदिरा गांधी एथलेटिक स्टेडियम में खेली जाने वाली इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 की कोलकाता डर्बी में ईस्ट बंगाल एफसी से भिड़ेंगे, तो वे चिर-प्रतिद्वंद्वियों पर अपना दबदबा कायम रखना चाहेंगे। मैरिनर्स ने दोनों टीमों के बीच नौ आईएसएल मुकाबलों में से आठ जीते हैं। मोहन बागान सुपर जायंट 14 मैचों में 10 जीत, दो ड्रा और दो हार से 32 अंक लेकर तालिका में शीर्ष पर हैं। ईस्ट बंगाल एफसी 14 मैचों में चार जीत, दो ड्रा और आठ हार से 14 अंक लेकर तालिका में 11वें स्थान पर हैं। मैरिनर्स ने ईस्ट बंगाल एफसी के खिलाफ प्रति मैच 2.4 गोल की औसत 22 गोल करने का प्रभावशाली रिकॉर्ड बनाया है जबकि रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड मोहन बगान के खिलाफ 0.56 गोल प्रति मैच की औसत से केवल पांच गोल कर पाई है, जो कि किसी भी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ उनका दूसरा सबसे कम आंकड़ा है। लीग डबलः मैरिनर्स आईएसएल में ईस्ट बंगाल एफसी के खिलाफ अपना चौथा लीग डबल पूरा करने उतरेंगे। उन्होंने ईस्ट बंगाल के खिलाफ अपने नौ आईएसएल मुकाबलों में से प्रत्येक में गोल किया है।

भारतीय महिला टीम ने आयरलैंड को छह विकेट से हराया

एजेंसी

राजकोट। प्रतिका रावल (89) और तेजल हसबनिस (नाबाद 53) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारतीय महिला टीम ने पहले एकदिवसीय मुकाबले में आयरलैंड की महिला टीम को 93 गेंदे शेष रहते छह विकेट से हरा दिया हैं। इसी के भारतीय टीम ने तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं। आयरलैंड के 239 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम के लिए स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 70 रन जोड़े। 10 ओवर में फ्रैया सार्जेंट ने स्मृति मंधाना को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। स्मृति मंधाना ने 29 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए (41) रनों की पारी खेली। इसके बाद हरलीन देओल (20) और जेमिमाह रॉड्रिग्स (नौ) रन बनाकर आउट हुई। 34वें ओवर में एमी मग्वायर ने शतक की ओर बढ़ रही प्रतिका रावल को आउटकर

पवेलियन भेज दिया। प्रतिका रावल ने 96 गेंदों में 10 चौके और एक छक्का लगाते हुए (89) रन बनाये। तेजल हसबनिस 46 गेंदों में 53 रन बनाकर नाबाद रही। ऋचा घोष ने (नाबाद आठ) रन बनाये। भारत ने 34.3 ओवर में चार विकेट पर 241 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया। आयरलैंड की ओर से एमी मग्वायर ने तीन विकेट लिये। फ्रैया सार्जेंट ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी आयरलैंड ने कप्तान गैबी लुईस (92) और ली पॉल (59) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर भारत को जीत के लिए 239 रनों का लक्ष्य दिया था। आयरलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 56 के स्कोर पर अपने चार विकेट गवां दिये थे। सारा फोब्स (नौ), उना रेमंड-होयी (पांच), ऑर्ला प्रैडरगस्त (नौ) और लॉरा डेलेनी (शून्य) पर आउट हुई। ऐसे संकट के समय गैबी लुईस और ली पॉल की जोड़ी ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच पांचवें विकेट के लिये 117 रनों की साझेदारी हुई। 39वें ओवर में ऋचा और हरलीन ने ली पॉल को रनआउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। ली पॉल ने 73 गेंदों में 59 रन बनाये। 44वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने शतक की ओर बढ़ रही गैबी लुईस को अपनी ही गेंद पर कैच आउटकर पवेलियन भेज दिया। लुईस ने 129 गेंदों में 15 चौकों की मदद से (92) रनों की पारी खेली। आयरलैंड का सातवां विकेट 50वें ओवर में आर्लीन केली (28) के रूप में गिरा। किस्टिना कुल्टर रीली (15) और जॉर्जिना डेम्पसी (पांच) रन बनाकर नाबाद रही।

बॉक्सिंग की नर्सरी बनेगा पिथौरागढ़ : रेखा आर्य

एजेंसी

पिथौरागढ़/नैनीताल। उत्तराखंड की खेल मंत्री रेखा आर्य ने कहा कि राज्य का सीमांत जनपद पिथौरागढ़ बॉक्सिंग की नर्सरी बनकर उभरेगा। श्रीमती आर्य ने यह बात पिथौरागढ़ के हरि सिंह थापा स्पोर्ट्स कॉलेज परिसर लेलू में बहुउद्देशीय क्रीड़ा हॉल का लोकार्पण के दौरान कही। उन्होंने कहा कि पिथौरागढ़ ने पहले भी अंतरराष्ट्रीय स्तर कई बॉक्सर दिए हैं और अब मुझे उम्मीद है कि पिथौरागढ़ बॉक्सरों की नर्सरी बनकर उभरेगा। खेल मंत्री ने पूजन हवन के साथ ही विधिवत् बहुउद्देशीय क्रीडा हाल का लोकार्पण किया। खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अब खेलों और खिलाड़ियों का युग आ चुका है और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में हमने ऐसी व्यवस्था कर दी है कि अगर आप खेलों में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो आपको अपने करियर की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देश ओलंपिक के आयोजन की दावेदारी में जुटा है और ऐसे में पिथौरागढ़ में राष्ट्रीय खेलों की बॉक्सिंग प्रतियोगिता का होना गौरव की बात है। इससे यहां नई बॉक्सिंग

प्रतिभाओं को निखरने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने खिलाड़ियों का भी आह्वान करते हुए कहा कि सरकार ने आधारभूत ढांचा खड़ा करके तैयारी पूरी कर दी है और अब जिम्मेदारी आपके कंधों पर है, आपको अपने हुनर को इस तरह निखारना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और राज्य का नाम रोशन हो सके। खेल मंत्री ने बहुउद्देशीय हाल तक पहुंचने वाली सड़क का निर्माण भी जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए।

चिराग शेट्टी-सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में

एजेंसी

कुआलालंपुर। चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की भारतीय जोड़ी ने क्वार्टरफाइनल में स्थानीय जोड़ी के खिलाफ रोमांचक जीत दर्ज करते हुए मलेशिया ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष युगल स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। आज यहां 50 मिनट तक चले मुकाबले में चिराग-सात्विक ने मलेशिया की ओंग यू सिन और टेओ ई यी की जोड़ी को सीधे गेम में 26-24, 21-15 से शिकस्त दी। भारतीय जोड़ी ने पहले गेम प्रदर्शन करते हुए ओंग यू सिन और टियो ई यी की मलेशियाई जोड़ी से मिली कांटे की टक्कर दी। सात्विक और चिराग की जोड़ी ने 11-9 की बढ़त हासिल की, लेकिन ओंग यू सिन और टियो ई यी ने 13-13 से स्कोर की बराबरी की। इसके बाद भी मुकाबला बराबरी पर रहा।

इसके बाद भारतीय जोड़ी ने लगातार अंक हासिल कर 26-24 से जीत दर्ज की। इसके बाद भारतीय जोड़ी ने अपनी बढ़त को बरकरार रखते हुए स्कोर के अंतर को बड़ा दिया और दूसरे गेम में 21-15 से जीत के साथ मैच अपने नाम कर लिया। सेमीफाइनल में सातवीं वरीयता प्राप्त सात्विक और चिराग की जोड़ी का सामना दक्षिण कोरिया के किम वोन हो और सेओ सेउंग जे से होगा।

तेज गेंदबाज वरुण ऐरन ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से लिया संन्यास

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के तेज गेंदबाज वरुण ऐरन ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया हैं। ऐरन ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, पिछले 20 वर्षों से मैंने अपनी तेज गेंदबाजी को जिया और महसूस किया है, लेकिन आज में क्रिकेट से अपने संन्यास की घोषणा करता हूं। मेरी यह यात्रा ईश्वर, परिवार, मित्रो, टीम के साथियों, कोच, सहायक स्टाफ और प्रशंसकों के बिना कभी संभव नहीं था। सालों से मैं अपने करियर को समाप्त करने वाली चोट से जूझता रहा और वापस भी आया। राष्ट्रीय क्रिकेट एकेडमी में जो कोच, फिजियो और ट्रेनर थे, उनकी वजह से ही यह संभव हो पाया। मैं इसके अलावा बीसीसीआई, झारखंड राज्य क्रिकेट संघ, रेड बुल और एसजी क्रिकेट को धन्यवाद देता हूं। मेरे करियर को संवारने में इनका अहम रोल रहा है।

मैं संन्यास के बाद भी क्रिकेट से जुड़ा रहूंगा। तेज गेंदबाजी मेरा पहला परिवार है। ऐरन ने पिछले साल ही रणजी ट्रॉफी से संन्यास लिया था। ऐरन भारत के लिए टेस्ट और एकदिवसीय दोनों खेल चुके हैं, जहां पर उन्होंने नौ टेस्ट मैचों में 18 और नौ एकदिवसीय मैचों में 11 विकेट लिए। ऐरन ने भारत के लिए अपना आखिरी मैच 2015 में खेला था। ऐरन आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, कोलकाता नाइटराइडर्स, दिल्ली कैपिटल्स, राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस के लिए खेले। पिछली बार वह 2022 में आईपीएल खेले थे। हाल ही में उनको कॉमेंट्री बॉक्स में कॉमेंट्री करते हुए भी देखा गया।

महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

एजेंसी

सिरसा। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से शहीद भगत सिंह स्टेडियम में जिला स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।प्रतियोगिताओं का शुभारंभ जिला परिषद के सीईओ डा. सुभाष चंद्र ने किया। शुभारंभ पर जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक मुकेश कुमार भी मौजूद रहे।

डा. सुभाष चंद्र ने संबोधित करते हुए कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि ये सकारात्मक सोच को भी बढ़ावा देते हैं। यह सोच हमें जीवन की हर परिस्थिति में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। इसलिए हमें नियमित रूप से खेल और व्यायाम जैसी गतिविधियों को अपनाना चाहिए, ताकि हमारा शरीर तथा मन स्वस्थ रह सके। उन्होंने कहा कि महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी से ही ऐसे आयोजनों का महत्व और उद्देश्य सार्थक होता है। उन्होंने कहा कि यह बहुत बड़ी बात है कि ग्रामीण आंचल

की महिलाएं अपने कामकाज के साथ-साथ खेलों में भाग लेने में भी रूचि दिखा रही हैं।

जिला कार्यक्रम अधिकारी सुदेश कुमारी ने बताया कि खंड स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं की विजेता महिला खिलाड़ियों ने इस जिला स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया है। जिला स्तर पर विजेता प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता में भेजा जाएगा। प्रतियोगिता के विजेता प्रथम को 4100 रुपये, द्वितीय को 3100 रुपये तथा तृतीय को 2100 रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया।

म्यूजिकल चेयर कंपीटिशन में ऐलनाबाद से कमलेश प्रथम, सिरसा से पूजा द्वितीय तथा नाथूसरी चौपटा से संगीता तृतीय स्थान पर रहीं। इसी प्रकार 100 मीटर रेस में गांव डबवाली की संतोष प्रथम, बड़ागुढा से सोनू द्वितीय तथा नाथूसरी चौपटा से समेस्ता तृतीय रही जबकि 300 मीटर रेस में सुखचैन से सीमा को प्रथम, सुल्तानपुरिया से अमनदीप को द्वितीय तथा मिठनपुरा से पूनम को तृतीय स्थान मिला।वहीं, 400 मीटर रेस में सिरसा से मनीषा प्रथम, ऐलनाबाद से ज्योति द्वितीय तथा रानियां से कर्मपाल तृतीय स्थान पर रहीं। डिस्कस थ्रो में सिरसा से सरोजबाला प्रथम, ऐलनाबाद से मंजू द्वितीय तथा ऐलनाबाद से लखविंद्र तृतीय स्थान पर रही। साइकिल रेस में सिरसा से ख्याति प्रथम, रानिया से वीरपाल द्वितीय तथा रानियां जसविंद्र तृतीय स्थान पर रही। इस अवसर पर वन स्टॉप सेंटर की इंचार्ज मंजू चौधरी, सुपरवाइजर और आंगनवाड़ी वर्कर भी मौजूद रहीं।

नीरज चोपड़ा वर्ष 2024 के सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक एथलीट : अमेरिका पत्रिका

एजेंसी

नयी दिल्ली। अमेरिका की प्रतिष्ठित खेल पत्रिका 'ट्रैक एंड फील्ड न्यूज' ने भारत के नीरज चोपड़ा को वर्ष 2024 का सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक एथलीट चुना है। 27 वर्षीय भारतीय एथलीट नीरज चोपड़ा को पेरिस ओलंपिक 2024 में रजत पदक जीतने और पूरे सत्र में छह स्पर्धाओं में भाग लेते हुए दो बार शीर्ष पर और शेष चार में उपविजेता के रूप में उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए इस सम्मान से नवाजा गया है। नीरज चोपड़ा ने 2024 सत्र की शुरुआत मई में दोहा डायमंड लीग में 88.36 मीटर थ्रो के साथ की और वह चेकिया के जैकब वाडलेज के बाद दूसरे स्थान पर रहे। टोक्यो 2020 के स्वर्ण पदक विजेता ने फिनलैंड में पावो नूरमी गेम्स और भारत में नेशनल फेडरेशन सीनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता जीती। इसके बाद उन्होंने पेरिस ओलंपिक 2024 में 89.45 मीटर थ्रो के साथ अरशद नदीम के 92.97 मीटर के ओलंपिक रिकॉर्ड के बाद दूसरा स्थान हासिल किया। लुसाने डायमंड लीग में चोपड़ा ने अपने करियर का दूसरा सर्वश्रेष्ठ 89.49 मीटर थ्रो किया और ब्रुसेल्स में अपने सत्र का समापन किया। चोपड़ा दोनों प्रतियोगिताओं में पेरिस 2024 के कांस्य पदक विजेता ग्रेनाडा के पीटर्स के बाद दूसरे स्थान पर रहे।

ट्रैक एंड फील्ड न्यूज ने जैवलिन थ्रो में एंडरसन पीटर्स को दूसरे स्थान पर और पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम छठे स्थान पर रहे थे। पाकिस्तान के एथलीट नदीम ने केवल दो अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं भाग लिया था जिसके कारण पत्रिका ने नदीम की सीमित भागीदारी को उनकी कम रैंकिंग का कारण बताया। उन्होंने ओलंपिक में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया था।

अस्मिता खेलो इंडिया महिला योगासन लीग में 7000 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

एजेंसी

बक्करवाला। राष्ट्रीय अस्मिता खेलो इंडिया महिला योगासन लीग 2024-25 में पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश की एथलीटों ने शानदार प्रदर्शन किया। उत्तराखंड में होने वाले आगामी राष्ट्रीय खेलों से पहले बड़ी उम्मीदों के साथ राष्ट्रीय प्रतियोगिता संपन्न हुई। आनंद धाम आश्रम, बक्करवाला, नांगलोई नजफगढ़ रोड पर पांच से सात जनवरी तक आयोजित लीग के अंतिम चरण में 270 से अधिक एथलीटों ने हिस्सा लिया। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की सचिव सुजाता चतुर्वेदी ने एथलीटों को बधाई दी। उन्होंने भारत में योगासन के बढ़ते महत्व पर जोर देते हुए कहा कि 2026 एशियाई खेलों में इसे शामिल भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि योगासन को अब 2026 एशियाई खेलों (जापान) में एक प्रदर्शनकारी खेल के रूप में शामिल किया गया है। इसके अलावा उत्तराखंड में होने वाले आगामी 38वें

राष्ट्रीय खेलों में भी इसे एक प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में शामिल किया गया है।

राष्ट्रीय लीग के लिए प्रतिभागियों ने पिछले वर्ष देशभर में आयोजित क्षेत्रीय चैंपियनशिप के माध्यम से अर्हता प्राप्त की। इसमें 7000 से अधिक महिला एथलीटों ने भाग लिया। लीग में पांच श्रेणियां : पारंपरिक योगासन, कलात्मक योगासन (एकल), कलात्मक योगासन (जोड़ी), लयबद्ध योगासन (जोड़ी) और कलात्मक योगासन (समूह) शामिल थीं। भारत के चार क्षेत्रों से अंडर-18 और 18 से ऊपर की आयु वर्ग के शीर्ष आठ एथलीटों ने पांच श्रेणियों में भाग लिया।

तमिलनाडु ड्रैगन्स ने श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स को 2-1 से हराया

एजेंसी

राउरकेला। तमिलनाडु ड्रैगन्स ने हीरो हॉकी इंडिया लीग के रोमांचक मैच में श्राची बंगाल टाइगर्स को 2-1 से हराया। आज यहां बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में तमिलनाडु ड्रैगन्स के लिए कार्थी सेल्वम ने (16वें) और उत्तम सिंह ने (37वें) मिनट में गोल दागा।

पहला क्वार्टर दोनों टीमों ने गोल करने की प्रयासें के बावजूद गोल रहित रहा। कार्थी ने दूसरे क्वार्टर के कुछ सेकंड के भीतर ही गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद श्राची बंगाल टाइगर्स के रुपिंदर पाल सिंह ने पेनल्टी स्ट्रोक से गोल कर स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। ड्रैगन्स ने 37वें मिनट उत्तम सिंह के गोल की बदौलत फिर से बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद दोनों टीमें पेनल्टी कॉर्नर और पेनल्टी स्टोक के मौकों को भुनाने में विफल रही। अंततः तमिलनाडु ने रक्षात्मक खेल का प्रदर्शन करते हुए मुकाबला 2-1 से जीत लिया। इस जीत के साथ तमिलनाडु ड्रैगन्स अंक तालिका में शीर्ष पर पहुचं गई है।

नागल और बोपन्ना ऑस्ट्रेलियन ओपन में पेश करेंगे भारतीय चुनौती

एजेंसी

नयी दिल्ली। ओलंपियन सुमित नागल और रोहन बोपन्ना रविवार को मेलबर्न पार्क में शुरु हो रहे ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगे। सुमित नागल पुरुष एकल में चेकिया के 26वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी तोमस माचाक के खिलाफ अपने मुकाबले की शुरुआत करेंगे। यह नागल का पांचवां ग्रैंड स्लैम मुख्य ड्रॉ और तीसरा ऑस्ट्रेलियन ओपन होगा।

उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष सुमित नागल ने कजाकिस्तान के अलेक्जेंडर बुलविक को हराकर क्वालीफाइंग राउंड से मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई थी। 2024 में ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन के साथ सीजन-ओपनिंग ग्रैंड स्लैम जीतने वाले रोहन बोपन्ना इस बार कोलंबिया के निकोलस बैरिएंटोस के साथ टीम बनाएंगे। वहीं, एबडेन बेल्जियम के जोरेन व्लीजन के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। युकी भांबरी

अपने फ्रांसीसी जोड़ीदार अल्बानो ओलिवेटी के साथ टीम बनाएंगे, जबकि एन श्रीराम बलाजी और रिथविक बोल्लिपल्ली भी युगल में भाग लेंगे। टूर्नामेंट के लिए युगल ड्रॉ बाद में घोषित किए जाएंगे। साल के चार टेनिस ग्रैंड स्लैम में से ऑस्ट्रेलिया ओपन पहला टूर्नामेंट होगा और 25 जनवरी को पुरुष एकल और महिला युगल के फाइनल के साथ इस टूर्नामेंट का समापन होगा।

रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग सीजन 2 : गत विजेता मार्युल स्पामो ने शानदार जीत के साथ महिला फाइनल में प्रवेश किया

एजेंसी

लेह। महिला वर्ग में गत विजेता मार्युल स्पामो ने रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग सीजन 2 के पहले सेमी-फाइनल में हमास क्रिंस के खिलाफ 11-0 की शानदार जीत हासिल करते हुए फाइनल में जगह बनाई। कप्तान पद्मा चोरोल इस मैच में प्रमुख खिलाड़ी रही, जिन्होंने चार गोल किए और सीजन की दूसरी हैट्रिक पूरी की । पुरुषों के वर्ग में हमास वारियर्स ने वसीम बिलाल की कप्तानी में 11-3 की शानदार जीत दर्ज की, जिससे उन्होंने सेमी-फाइनल में जगह बनाई। वसीम ने छह गोल किए, जो इस दिन के मैचों में किसी भी खिलाड़ी द्वारा किए गए सबसे अधिक गोल थे । चांगथांग शांस ने शम वोल्व्स के खिलाफ 2-2 के ड्रॉ के बाद सेमी-फाइनल में जगह पाई, जबकि जांस्कर चादर टैमर्स ने अपने अंतिम ग्रुप स्टेज मैच में 4-0 की जीत के साथ अपनी सीज़न की समाप्ति की। सभी तीन सेमी-फाइनल कल होंगे। रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग सीजन 2 का आयोजन लद्दाख प्रशासन और लद्दाख आइस हॉकी एसोसिएशन के साझेदारी से नवांग डोरजे स्टोबडन (एनडीएस) स्टेडियम, लेह में हो रहा है। रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग सीजन 2 का अंतिम ग्रुप स्टेज दिन चांगथांग शांस और शम वोल्व्स के बीच रोमांचक मुकाबले से शुरू हुआ। पिछले साल के रनर-अप शांस ने पहले पीरियड में रक्षात्मक दृष्टिकोण अपनाया, और 9वें मिनट में वोल्व्स के स्टानजिन नामग्याल द्वारा की गई गलती के कारण आत्म-गोल से 1-0 की बढ़त बनाई। 26वें मिनट में टेयरिंग नुर्बू द्वारा शानदार बराबरी गोल के बाद, वोल्व्स ने वापसी की वहीं दूसरे पीरियड में दोनों टीमों ने महत्वपूर्ण मौके गंवाए। अंतिम पीरियड में तीव्र क्रिया हुई, जब नुर्बू का दूसरा गोल वोल्व्स को 47वें मिनट में 2-1 की बढ़त दिलाया। लेकिन शांस के कप्तान चांबा त्सेतन ने 50वें मिनट में देर से गोल करके अपनी टीम को 2-2 से बराबरी पर लाया और सेमी-फाइनल में अपनी जगह पक्की की। रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग सीजन 2 के सातवें दिन हमास वारियर्स ने चांगला ब्लास्टर्स को 11-3 से हराकर सेमी-फाइनल में जगह बनाई। वारियर्स ने शुरुआती समय में धमाकेदार प्रदर्शन किया, जिसमें हिलाल अल शेख ने सिर्फ 4 मिनट में पहला गोल किया। कप्तान वसीम बिलाल ने 8वें मिनट में बढ़त दोगुनी की। हालांकि ब्लास्टर्स के कप्तान नामगैल नुर्बू ने 10वें मिनट में गोल करके प्रतिक्रिया दी, लेकिन वारियर्स ने अपने जवाबी हमलों से बढ़त बनाए रखी, और वसीम ने पहले पीरियड के आखिरी क्षणों में गोल करके 3-1 की बढ़त दिलाई। दूसरे पीरियड में ईसा मोहम्मद ने वारियर्स की बढ़त और बढ़ाई। जबकि ब्लास्टर्स ने एक गोल किया, वारियर्स ने और गोल किए, जिसमें वसीम की शानदार हैट्रिक भी शामिल थी । अंत में वारियर्स ने 11-3 के स्कोर के साथ मैच खत्म किया। इस जीत के साथ हमास वारियर्स ने न केवल सेमी-फाइनल में जगह बनाई, बल्कि इस सीज़न में किसी भी टीम द्वारा किए गए सबसे अधिक गोल का रिकॉर्ड भी तोड़ा। रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग सीजन 2 के पहले महिला सेमी-फाइनल में गत विजेता मार्युल स्पामो ने हमास क्रिंस को 11-2 से हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई। रिंछेन डोलमा ने पहले ही मिनट में गोल करके स्पामो के लिए शुरुआत की, इसके बाद कप्तान पद्मा चोरोल ने दूसरे मिनट में गोल किया। शबिना खावसर ने 9वें मिनट में एक और गोल किया, और पद्मा ने अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखते हुए 14वें मिनट में हैट्रिक पूरी की। पहले पीरियड के अंत तक स्पामो ने 5-0 की बढ़त बनाई। दूसरे पीरियड में स्पामो का दबदबा और बढ़ा, और उन्होंने 8-1 की बढ़त बनाई। अंतिम पीरियड में भी स्पामो का प्रदर्शन जारी रहा, और पद्मा ने अपने चौथे गोल से 11-2 के स्कोर से मैच खत्म किया।

नवंबर में औद्योगिक उत्पादन 6 महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की तेजी से मिला दम

एजेंसी

नई दिल्ली। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में आई तेजी के कारण नवंबर के महीने में देश में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर 5.2 प्रतिशत के स्तर तक पहुंच गई है। औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि का ये पिछले 6 महीने का सबसे ऊंचा स्तर है। इसके पहले अक्टूबर के महीने में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर 3.5 प्रतिशत दर्ज की गई थी। वहीं 1 साल पहले नवंबर 2023 में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर 2.5 प्रतिशत रही थी। ये जानकारी राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा आज जारी आंकड़ों में दी गई है। एनएसओ द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2024 के दौरान मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में 5.8 प्रतिशत की दर से उत्पादन में वृद्धि हुई, जबकि 1 साल पहले नवंबर 2023 में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के उत्पादन की वृद्धि दर 1.3 प्रतिशत थी। इसी तरह नवंबर 2024 में माइनिंग सेक्टर में 1.9 प्रतिशत की दर से और विद्युत के उत्पादन में 4.4 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई। एनएसओ के आंकड़े में बताया गया है कि मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से नवंबर के दौरान औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में 4.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हालांकि 1 साल पहले इसी अवधि में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

रुपया 22 पैसे लुढ़ककर 86 रुपये प्रति डॉलर के पार

मुंबई। अमेरिका में रोजगार के मजबूत आंकड़े आने से फेड रिजर्व की इस महीने के अंत में होने वाली बैठक में ब्याज दर कटौती के चक्र को रोकने की उम्मीद बढ़ने से दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर में तेजी के दबाव में आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 22 पैसे लुढ़ककर 86.08 रुपये प्रति डॉलर के सार्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 85.86 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरूआत में रुपया एक पैसे फिसलकर 85.87 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान आयातकों एवं बैंकरों की लिवाली के दबाव में 86.08 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया और इसी स्तर पर बंद भी हुआ। वहीं, बिकवाली की बदौलत यह 85.70 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर रहा।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी रेल यात्रियों को बड़ी सौगात

चेन्नई। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री का दौरा किया. इस दौरान उन्होंने वंदे भारत रेक, अमृत भारत ट्रेन के डिब्बों और विस्टाडोम डाइनिंग कार का निरीक्षण किया. इसके बाद वह सिरमा एसजीएस लैपटॉप असेंबली प्लांट का उद्घाटन किया जिसमें वंदे भारत ट्रेन के लिए कुछ जरूरी उपकरण तैयार किए जाते हैं. मीडिया से बातचीत में अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अमृत भारत ट्रेन साधारण नागरिकों के लिए बनाई गई है. इसके जनरल कोच में किसी भी प्रीमियम ट्रेन जैसी ही सुविधाएं हैं. इसे 'सबका साथ, सबका विकास' और'अन्त्योदय' की भावना से बनाया गयाहै. उन्होंने कहा कि इस ट्रेन में कई नई सुविधाएं मिलेंगी, जैसे सीटों और पंखों की गुणवत्ता, चार्जिंग पॉइंट और नए डिजाइन वाले शौचालय तैयार किए गए हैं. वंदे भारत ट्रेनों में भी लगातार सुधार किए जा रहे हैं. रेल मंत्री ने कहा कि 10 हजार लोकोमोटिव में कवच लगाया जा रहा है और 15 हजार किलोमीटर ट्रैकसाइड फिटिंग की जा रही है और इंजनों के आगे कैमरे भी लगाए जारहे हैं. अब नए डिजाइन के बोल्ट लगाए जा रहे हैं, ताकि उन्हें निकाला न जा सके।

पोको ने लॉन्च किया एक्स 7 और एस 7 प्रो स्मार्टफोन

नयी दिल्ली। स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी पोको ने भारतीय बाजार में एक्स 7 सीरीज के तहत अपना नया स्मार्टफोन एक्स 7 5जी और एक्स 7 प्रो 5जी लॉन्च करने की घोषणा की है, जिसकी कीमत क्रमशः 19999 रुपए और 24999 रुपए है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि इस स्मार्टफोन को ब्रांड एम्बेसडर अभिनेता अक्षय कुमार के साथ कंपनी के अधिकारियों ने लॉन्च किया है। उसने कहा कि पोको एक्स 7 में इस सेगमेंट का सबसे टिकाऊ 1.5के एमोलेड 3डी कर्व्ड डिस्प्ले दिया गया है। पोको एक्स7 प्रो 5 जी 6550 एम ए एच बैटरी के साथ आता है, जो सिलिकॉन कार्बन तकनीक और अधिक दक्षता, लंबी लाइफ और सेफ्टी के लिए एक ठोस इलेक्ट्रोलाइट द्वारा बेहतर बनाई गई है। शानदार, लैग-फ्री परफॉर्मेंस मीडियाटेक डायमेंशन 7300 अल्ट्रा चिपसेट पर चलने वाला एक्स 7 5जी में 5500 एम ए एच की बैटरी फोन को पूरे दिन बिजली सप्लाई करती है, जबकि 45वॉट हाइपरचार्ज डाउनटाइम को कम करता है। इस सीरीज में 50एम पी सोनी लिट-600 प्राइमरी कैमरा है।

खंडेलवाल ने एलएंडटी के चेयरमैन के हफ्ते में 90 घंटे काम वाले बयान की आलोचना की

एजेंसी

नई दिल्ली। कफ्नफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री और चांदनी चौक से सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने एलएंडटी के चेयरमैन एसएन सुब्रह्मण्यन के हफ्तें में 90 घंटे कार्य सप्ताह की वकालत वाले बयान को 'पूरी तरह से अव्यवहारिक और मानव गरिमा एवं काम-काज के संतुलन की अवहेलना' करार देते हुए कड़ी आलोचना की है। खंडेलवाल ने कहा कि ऐसे बयान आधुनिक युग में मानसिक स्वास्थ्य और कर्मचारियों के कल्याण के महत्व की समझ की कमी को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, ÷हम एक ऐसी संस्कृति की ओर नहीं लौट सकते जो कर्मचारियों को केवल मशीनों की तरह देखती हो। कैट महामंत्री ने कहा कि हर व्यक्ति, चाहे वह कॉरपोरेट सेक्टर में हो या स्व-रोजगार से जुड़ा हो, एक ऐसा

संतुलित जीवन जीने का हकदार है जहां व्यक्तिगत और पेशेवर आकांक्षाएं साथ-साथ पूरी हो सकें।इस संदर्भ में कैट महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के उन विचारों का समर्थन किया, जिन्होंने मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियों और एक स्वस्थ कार्य वातावरण की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर बोलने के लिए दीपिका पादुकोण की साहस की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी हस्तियों और प्रभावशाली व्यक्तियों को प्रगतिशील कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए अपने मंचों का उपयोग करना चाहिए। हालांकि, कंपनी ने चारों तरह से तीखी आलोचना का सामना करने के बाद इसका बचाव किया है। खंडेलवाल ने आगे कहा, भारतीय व्यवसाय, चाहे वह बड़े कॉरपोरेट हों या सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) अपने कर्मचारियों की समर्पण भावना पर आधारित होते हैं। कड़ी मेहनत वाले घंटों को बढ़ावा देना केवल उत्पादकता को कम करेगा, तनाव को बढ़ाएगा और समग्र अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाएगा। उन्होंने नीति निर्माताओं, व्यापारिक नेताओं और प्रभावशाली व्यक्तियों से अपील की कि वे मिलकर ऐसे कार्यस्थल बनाने की दिशा में काम करें जो मानव मूल्यों का सम्मान करें, मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें और स्थायी व मानवीय प्रथाओं के माध्यम से उत्पादकता को बढ़ावा दें। उल्लेखनीय है कि एलएंडटी के चेयरमैन ने कर्मचारियों से सप्ताह में 90 घंटे काम करने को कहा था, जिसकी चौतरफा तीखी आलोचना के बाद लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने चेयरमैन की टिप्पणी का बचाव करते हुए कहा कि 'असाधारण परिणामों के लिए असाधारण प्रयासों की आवश्यकता होती है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में टिकाव

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उबाल आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज टिकाव रहा, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 2.27 प्रतिशत उबलकर 75.60 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 2.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 78.67 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

ईपीएफओ पेंशनर ने निर्मला सीतारमण से की मुलाकात, वित्त मंत्री का मांगों पर गौर करने का आश्वासन

एजेंसी

नई दिल्ली। ईपीएस-95 पेंशनरों के एक प्रतिनिधिमंडल ने दावा किया है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने न्यूनतम पेंशन 7500 रुपये प्रति माह के साथ महंगाई भत्ता और अन्य मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया है।

ईपीएस -95 नेशनल आंदोलन समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमांडर अशोक राउत ने यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि उनके नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने श्रीमती सीतारमण से यहां मुलाकात की और न्यूनतम पेंशन एक हजार रुपये से बढ़ाकर 7500 रुपये, इसमें महंगाई भत्ता जोड़ने और पेंशनर तथा उनके जीवनसाथी के लिये मुफ्त चिकित्सा उपचार की मांग की। उन्होंने बताया कि श्रीमती सीतारमण ने उनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया है।श्री राउत ने कहा कि वित्त मंत्री से मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय और राज्य सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिष्ठान, निजी संगठनों, और देशभर के कारखानों से जुड़े

78 लाख से अधिक पेंशनभोगियों की दयनीय दशा पर प्रकाश डाला।

श्री राउत ने कहा, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का आश्वासन हमें उम्मीद देता है, लेकिन सरकार को आगामी बजट में 7,500 रुपये न्यूनतम पेंशन और महंगाई भत्ते की घोषणा करनी चाहिये। इससे कम कुछ भी वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानजनक जीवन देने में विफल होगा।

उन्होंने कुछ श्रमिक संगठनों द्वारा 5,000 रुपये न्यूनतम पेंशन की मांग को अनुचित बताते हुये इसकी आलोचना की। उन्होंने कहा कि 7,500 रुपये न्यूनतम राशि है, जो एक सम्मानजनक जीवन के लिए आवश्यक है।

राष्ट्रीय स्टार्टअप कार्ययोजना के तहत अब विनिर्माण क्षेत्र को नयी धार देने की सरकार की रणनीति

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार देश में नवाचार पर आधारित स्टार्टअप इकाइयों के फलने-फूलने के लिये अनुकूल वातावरण विकसित करने के प्रयासों की सफलता को आधार बना कर अब स्टार्टअप के जरिये विनिर्माण क्षेत्र को प्रोत्साहित करने की रणनीति पर ध्यान केंद्रित करने जा रही है। यह जानकारी यहां वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के उद्योग एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिये '2016 की स्टार्टअप कार्ययोजना' के आज नौ वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में डीपीआईआई के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया ने यहां कहा, प्रश्न किया जाता है कि हम नया क्या करने जा रहे हैं। .. अब हमारा फोकस (ध्यान) विनिर्माण क्षेत्र में इन्यूबेटरों को प्रोत्साहित करना है। हम विनिर्माण कार्य में लगी कंपनियों को कह रहे हैं कि वे अपनी नयी नयी चुनौतियों को के समाधान के लिये स्टार्टअप के लिए चैलेंज प्रतियोगितायें आयोजित करें। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि सरकार की इस पहल में वोल्वो,

आईटीसी , एसजेडब्ल्यू , योकोहामा, मिशेलिन, श्री सीमेंट और बोट जैसी कंपनियां विनिर्माण क्षेत्र में काम करने वाली स्टार्टअप इकाइयों को संसाधन, सीख और अपनी इन्फ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं के साथ सहयोगपूर्ण भागीदारी करना चाहती हैं। श्री भाटिया ने कहा, हम 2025 में इसको गति देना चाहते हैं। विनिर्माण क्षेत्र की कंपनियों से कह रहे हैं कि आप अपनी खास समस्याओं, के समाधान प्रस्तुत करने के लिये गैंडचैलेंज प्रतिस्पर्धा का आयोजन करें। उल्लेखनीय है कि मोदी सरकार ने 16 जनवारी को राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस घोषित किया है। इस सिलसिले में विभाग राजधानी और देश के बाहर पक्षधारकों के साथ विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की है। डीपीआईआईटी सचिव ने बताया कि भारत 18-20 मार्च, 2025 को राजधानी में 'स्टार्टअप महाकुंभ' आयोजित करने जा रहा है जो देश में इस क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा कार्यक्रम होगा, इसमें भाग लेने के लिये सऊदी अरब ने विशेष रुचि दिखाई की है। स्टार्टअप महाकुंभ में और यूरोप, अमेरिका तथा एशिया के दसियों दशों के शामिल होने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि भारत ने 21 देशों के स्टार्टअप प्रोत्साहन निकायों के साथ सहयोग-सेतु और दो देशों के साथ सामरिक गठबंधन कर रखा है। उन्होंने एक सवाल पर कहा, स्टार्टअप इकाइयों का देश से बाहर जाने जाने जैसा कोई मुद्दा इस समय नहीं है, उल्टा हमारे आंकड़े कह रहे हैं कि बाहर से स्टार्टअप अब भारत आ रहे हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.69 अरब डॉलर घटकर 634.58 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर झटका लगने वाली खबर है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार पाचवें हफ्ते गिरावट दर्ज की गई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार तीन जनवरी को समाप्त हफ्ते में 5.69 अरब डॉलर घटकर 634.58 अरब डॉलर रह गया है। इससे पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार 4.11 अरब यूएस डॉलर घटकर 640.28 अरब डॉलर रह गया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 3 जनवरी को समाप्त हफ्ते में है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.69 अरब डॉलर घटकर 634.58 अरब डॉलर रहा है। इस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का अहम घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 6.44 अरब डॉलर घटकर 545.48 अरब डॉलर रह गईं। हालांकि, स्वर्ण भंडार का आरिक्षत मूल्य 82.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 67.09 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक 3 जनवरी को समाप्त हफ्ते में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 5.8 करोड़ डॉलर घटकर 17.81 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक के इस दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ)

के पास भारत का आरक्षित भंडार घटकर 4.199 अरब डॉलर रह गया। विदेशी मुद्रा भंडार में पिछले कुछ हफ्तों से आ रही गिरावट की वजह रुपये में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए रिजर्व बैंक का विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप के साथ-साथ मूल्यांकन को माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि सितंबर, 2024 के अंत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.88 अरब यूएस डॉलर के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

जेसन्स इंडस्ट्रीज ने आईपीओ के लिए सेबी के पास डीआरएचपी फिर से दाखिल किया

एजेंसी

नई दिल्ली। मुंबई स्थित जेसन्स इंडस्ट्रीज ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दोबारा दाखिल किया है। सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक जेसन्स इंडस्ट्रीज का 5 रुपये अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ 300 करोड़ रुपये तक के नए इश्यू और धीरेश शशिकांत गोसालिया द्वारा 9.46 मिलियन इक्विटी शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव (ओएफएस) शामिल है। इस प्रस्ताव में पात्र कर्मचारियों द्वारा सदस्यता के लिए आरक्षण शामिल है। कर्मचारी आरक्षण हिस्से में बोली लगाने वाले पात्र कर्मचारियों को छूट दी जा रही है। कंपनी के मुताबिक इस इश्यू से मिली रकम का इस्तेमाल

में से 165 करोड़ रुपये कुछ उधारी चुकाने या समय से पहले चुकाने के लिए 77.90 करोड़ रुपये अपनी सब्सिडिटी कंपनी जेसन्स इनोवेटिव पॉलिमर्स प्राइवेट लिमिटेड में निवेश के जरिए वर्किंग कैपिटल के लिए खास तौर पर सॉल्वेंट-बेस्ड चिपकने वाले और लचीले पैकेजिंग चिपकने वाले जैसे नए चिपकने वाले प्रोजेक्ट के लिए किया जाएगा।उल्लेखनीय है कि मुंबई स्थित जेसन इंडस्ट्रीज कंपनी भारत में बिक्री मूल्य के मामले में पेंट सेक्टर में कोटिंग इमल्शन, टेप और लेबल सेगमेंट में पानी आधारित प्रेशर सेंसिटिव एडहेसिव के अग्रणी निर्माताओं में से एक है।

इसके साथ ही कंपनी ने एशिया-प्रशांत, मध्य पूर्व और अफ्रीका जैसे उच्च-विकास वाले क्षेत्रों में एक मजबूत उपस्थिति बनाई है। इसकी वर्तमान पाइपलाइन में विकास के तहत 22 उत्पाद शामिल हैं। पिछले तीन वित?त वर्षों और 30 सितंबर, 2024 को समाप्त छह महीनों में कंपनी ने वुडवर्किंग, आरडीपी और तैयार निर्माण रसायनों जैसे उद्योगों में 42 नए उत्पाद लॉन्च किए हैं।

फैबटेक टेक्नोलॉजीज की स्टॉक मार्केट में धांसू एंट्री, पहले दिन ही निवेशकों का पैसा डबल

एजेंसी

नई दिल्ली। बायोटेक सेक्टर के लिए प्री-इंजीनियर्ड और प्री-फैब्रीकेटेड मॉड्यूलर पैनल बनाने वाली कंपनी फैबटेक टेक्नोलॉजीज क्लीनरूम्स लिमिटेड ने आज लिस्टिंग के जरिए स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री की। घरेलू शेयर बाजार के निगेटिव सेंटीमेंट्स के बावजूद इस कंपनी के शेयर ने आज पहले दिन ही अपने आईपीओ निवेशकों का पैसा डबल कर दिया।आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 85 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयर एसएमई सेगमेंट के लिए मैक्सिमम परमीसिबल प्रीमियम 90 प्रतिशत के साथ 161.50 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के तुरंत बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण थोड़ी ही देर में कंपनी के शेयर उछल कर 169.57 रुपये के अपर

सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को आज पहले दिन ही 99.49 प्रतिशत का मुनाफा हो गया है?। फैबटेक टेक्नोलॉजीज क्लीनरूम्स लिमिटेड का 27.74 करोड़ रुपये का आईपीओ 3 से 7 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 740.37 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 224.50 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 1,485.52 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 715.05 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के जरिए 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 32.64 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। इस आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने, एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी को खरीदने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। फैबटेक टेक्नोलॉजीज क्लीनरूम्स लिमिटेड की आर्थिक स्थिति पर नजर डालें, तो 2021-22 में कंपनी को 3.60 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इसके अगले साल 2022-23 में कंपनी का शुद्ध लाभ बढ़ कर 7.96 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि 2023-24 में कंपनी की कमाई में गिरावट आई, जिसके कारण इसका शुद्ध लाभ घट कर 5.78 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

बीएचईएल व ओएनजीसी के बीच नए व्यावसायिक अवसरों की तलाश के लिए समझौता

एजेंसी

हरिद्वार। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) और ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ओएनजीसी) ने नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा व्यवसाय के क्षेत्र में संयुक्त परियोजनाओं के नये अवसरों की खोज व सहयोग तथा फ्युल सेल, इलेक्ट्रोलाइज़र और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली पर आधारित परियोजनाओं के लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह जानकारी हरिद्वार स्थित बीएचईएल के संचार एवं जनसंपर्क प्रमुख अजीत अग्रवाल ने दी। उन्होंने बताया कि यह समझौता ज्ञापन देश के राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन में योगदान देने के साथ-साथ स्वच्छ ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र के अंतर्गत उभरते क्षेत्रों में सहयोग के लिए दोनों संगठनों की संयुक्त शक्तियों का

लाभ उठाने में सहायता करेगा। बानी वर्मा, निदेशक (औद्योगिक प्रणाली और उत्पाद) एवं निदेशक (इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास) - अतिरिक्त प्रभार, बीएचईएल, और अरुणांगशु सरकार, निदेशक (स्ट्रेटेजी एवं कॉर्पोरेट अफेयर्स), ओएनजीसी, तथा दोनों संगठनों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये।उन्होंने बताया कि यह सहयोग भारत के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों के अनुरूप है, तथा स्वच्छ ऊर्जा समाधानों को अपनाने व बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

केंद्र ने राज्यों के लिए कर हस्तांतरण के रूप में 1,73,030 करोड़ रुपये जारी किए

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कर हस्तांतरण के रूप में राज्यों के लिए कुल 1,73,030 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं। इसके पहले दिसंबर के महीने में भी केंद्र ने राज्यों के लिए 89,086 करोड़ रुपये हस्तांतरण किये थे। राज्यों को पूंजीगत व्यय में तेजी लाने और उन्हें विकास तथा कल्याण संबंधी खर्च के वित्तपोषण में

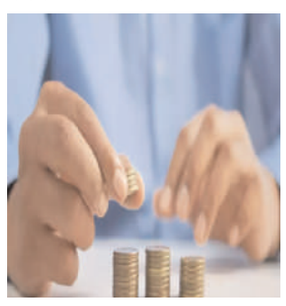

सक्षम बनाने के लिए इस महीने अधिक राशि हस्तांतरित की गई है।केंद्र सरकार ने उत्तर प्रदेश के लिए 31,039.84 करोड़ रुपये, बिहार के लिए 17,403.36 करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश के लिए 13,582.86 करोड़ रुपये, पश्चिम बंगाल के लिए 13,017.06 करोड़ रुपये, महाराष्ट्र के लिए 10,930.31 करोड़ रुपये और महाराष्ट्र के लिए 10,426.78 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इसके अलावा देश के अन्य राज्यों के लिए भी केंद्रीय करों और शुल्कों का वितरण किया गया है।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट, निवेशकों ने गंवाए 5.70 लाख करोड़ रुपये

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार तीसरे कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलते ही लिवाल और बिकवाल एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश में लग गए, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.31 प्रतिशत और निफ्टी 0.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।आज दिन भर के कारोबार के बाद आईटी और टेक सेक्टर के अलावा बाकी सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। आज बैंकिंग, फार्मास्यूटिकल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक दबाव बना रहा। इसी तरह एनर्जी, मेटल और ऑटोमोबाइल इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, आईटी इंडेक्स 3.44 प्रतिशत और टेक इंडेक्स 2.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 2.13 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 2.40 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने छह लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 429.79 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 435.49 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 5.70 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,078 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 829 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 3,162 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 87 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,518 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 401 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 2,117 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 8 शेयर बढ़त के साथ और 22 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 14 शेयर हरे निशान में और 36 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 62.38 अंक की मामूली बढ़त के साथ 77,682.59 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल भी लगातार ऊपर-नीचे होती रही। खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 299.49 अंक की तेजी के साथ 77,919.70 अंक तक पहुंचा?। वहीं बिकवाली का दबाव बनने पर ये सूचकांक 520.60 अंक की गिरावट के साथ 77,099.55 अंक तक लुढ़क गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 241.30 अंक टूट कर 77,378.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दमिश्क की उमय्यद मस्जिद में भगदड़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर हुयी चार

एजेंसी

इस्तांबुल। दमिश्क की उमय्यद मस्जिद में भगदड़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। सीरियाई अखबार अल-वतन ने दमिश्क स्वास्थ्य विभाग के हवाले से यह खबर दी। तुर्की टीवी चैनल अहबेर ने बताया कि तीन लोग मारे गए है। अल-वतन ने बताया कि यह भगदड़ एक स्थानीय ब्लॉगर द्वारा शुरू किए गए मुफ्त भोजन वितरण के निमंत्रण के बाद हुई।रिपोर्ट में कहा गया है कि कम से कम 16 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से शाम तक केवल एक बच्चा अस्पताल में बचा था।

ऑस्ट्रेलिया अमेरिका को अग्निशमन सहायता भेजने के लिए तैयार

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका में जंगल की आग पर काबू पाने में अधिकारियों की मदद करने के लिए तैयार है। स्काई न्यूज ऑस्ट्रेलिया ने आपातकालीन प्रबंधन मंत्री जेनी मैकएलिस्टर के हवाले से कहा कि संघीय सरकार ने राजनयिक चैनलों के माध्यम से अमेरिका में अधिकारियों से संपर्क किया है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि ऑस्ट्रेलिया जरूरत पड़ने पर आग पर काबू पाने में सहायता के लिए तैयार है। उन्होंने कहा हमें अभी तक सहायता के लिए कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है, लेकिन निश्चित रूप से, हमेशा की तरह, हम सहायता के लिए तैयार हैं। अमेरिका के प्रांत कैलिफोर्निया के लॉस एंजिल्स काउंटी में लगी बेकाबू जंगल की आग में सात लोगों की मौत हो गई है और हजारों घर क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए हैं।

कनाडा के नए प्रधानमंत्री का चुनाव होगा 09 मार्च को

ओटावा। कनाडा में सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी के प्रधानमंत्री के रूप में नए नेता का चुनाव 09 मार्च को होगा, जो देश के नए प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करेंगे। पार्टी ने यह घोषणा की। सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी के नेता एवं अंतरिम प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सोमवार को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके इस्तीफे के बाद इस पद के लिए अभी तक किसी का चयन नहीं हुआ है। अब नए नेता के चुनाव के लिए पार्टी की ओर से बयान सामने आया है। जिसमें कहा गया है कि पार्टी मतदान के बाद 09 मार्च को देश के अगले प्रधानमंत्री की घोषणा करेगी।

पार्टी ने एक बयान में कहा, कनाडा की लिबरल पार्टी ने आज घोषणा की कि पार्टी का अगला नेता चुनने की दौड़ 09 मार्च, 2025 को समाप्त होगी। बयान में कहा गया है कि विजेता की घोषणा उसी दिन की जाएगी। पार्टी ने अपने अध्यक्ष सचित मेहरा के हवाले से कहा, एक मजबूत और सुरक्षित राष्ट्रव्यापी प्रक्रिया के बाद कनाडा की लिबरल पार्टी 09 मार्च को एक नया नेता चुनेगी और 2025 का चुनाव लड़ने और जीतने के लिए तैयार होगी। यह समय देश भर के उदारवादियों के लिए विचारों का आदान-प्रदान करने और शामिल होने का समय है। हमारी पार्टी और देश के भविष्य को नया स्वरूप देने के लिए विचारशील बहस में और मैं सभी उदारवादियों को हमारी पार्टी के लिए इस रोमांचक क्षण में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करता हूं। लिबरल पार्टी की ओर से नए प्रधानमंत्री की दौड़ में पूर्व केंद्रीय बैंकर मार्क कार्नी और पूर्व वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड का नाम प्रमुख रूप से सबसे आगे चल रहा है।

पुतिन के साथ जल्द हो सकती है बैठकः ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन उनसे मिलना चाहते हैं और दोनों नेताओं के बैठक की योजना बनाई जा रही है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जल्द ही शपथ लेने वाले हैं। इस बीच उन्होंने घोषणा की है कि रूसी राष्ट्रपति के साथ बैठक के लिए समय निर्धारित किया जा रहा है। अभी हालांकि वार्ता के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की गई है। फ्लोरिडा के पाम बीच में अपने मार-ए-लागो एस्टेट में बुधवार को रिपब्लिकन गवर्नरों के साथ बैठक करने से पहले श्री ट्रम्प ने रूसी नेता के बारे में कहा, वह (व्लादिमीर पुतिन) मिलना चाहते हैं। हम बैठक की योजना बना रहे हैं। नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति ने रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा, राष्ट्रपति पुतिन उनसे मिलना चाहते हैं। उन्होंने ऐसा सार्वजनिक रूप से भी कहा है और हमें युद्ध और रक्तपात को खत्म करना होगा।

भिखारियों और अपराधियों सहित 258 पाकिस्तानियों को सात देशों ने भेजा स्वदेश

एजेंसी

कराची । पाकिस्तान को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है। पिछले 24 घंटों में सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और 'सदाबहार दोस्त' चीन सहित सात देशों ने 258 पाकिस्तानी नागरिकों को वापस भेज दिया है।

पाकिस्तानी इमिग्रेशन अधिकारियों के अनुसार, कराची के जिन्ना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचे 258 लोगों में से 244 को आपातकालीन यात्रा दस्तावेजों के आधार पर निर्वासित किया गया। 14 के पास वैध पाकिस्तानी पासपोर्ट थे।

केवल 16 निर्वासितों को 'संदिग्ध पहचान' के कारण गिरफ्तार किया गया, बाकी को केवल पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। पाकिस्तान के प्रमुख समाचार चैनल जियो न्यूज ने बताया कि सऊदी अरब ने 232 लोगों को निर्वासित किया, जिनमें सात भिखारी, बिना परमिट के हज करते पकड़े गए लोग

और अपनी सजा पूरी करने के बाद वापस भेजे गए लोग शामिल हैं। इसके अलावा वे पाकिस्तानी शामिल हैं- जो देश में तय समय सीमा से ज्यादा समय तक रुके थे या बिना किसी कारण के या अपने वीजा की वैधता से अधिक समय तक काम करते पाए गए थे। रिपोर्ट में कहा गया कि सऊदी एजेंसियों ने 112 लोगों को उनके प्रायोजकों की शिकायतों की वजह से वापस भेजा और 63 लोगों पर अन्य आरोप लगे थे। यूएई ने 21 लोगों को निर्वासित किया, जिनमें से चार ड्रग्स तस्करी में शामिल हैं, जबकि चीन, कतर, इंडोनेशिया, साइप्रस और नाइजीरिया ने एक-एक पाकिस्तानी नागरिक को वापस स्वदेश भेजा। पिछले कुछ वर्षों में पाकिस्तान से बड़ी संख्या में संदिग्ध यात्री विदेश गए हैं। ये लोग शरणार्थी, अवैध ड्रग तस्कर, भिखारी और मानव तस्कर बनकर दूसरे देशों में अवैध रूप से रह रहे हैं।

इस बीच सऊदी अरब के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (जीएसीए) ने घोषणा की कि देश की यात्रा करने वाले पाकिस्तानी नागरिकों के लिए पोलियो टीकाकरण प्रमाणपत्र अनिवार्य कर दिया गया है। जीएसीए के अनुसार, नवीनतम निर्देशों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति को कठोर दंड और कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। अफगानिस्तान के साथ पाकिस्तान दुनिया के अंतिम दो पोलियो-स्थानिक देशों में से एक बना हुआ है। देश में पोलियोवायरस के मामलों में चिंताजनक वृद्धि देखी गई है। 2024 में इस अपंग करने वाली बीमारी के 68 मामले सामने आए थे।

2024 में श्रीलंका की पर्यटन आय 53 प्रतिशत से अधिक बढ़ी

एजेंसी

कोलंबो। सेंट्रल बैंक ऑफ श्रीलंका (सीबीएसएल) के नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि श्रीलंका ने 2024 में पर्यटन से लगभग 3.17 अरब अमेरिकी डॉलर कमाए। आंकड़ों से पता चलता है कि 2023 से पर्यटन आय की तुलना में यह 53.2 प्रतिशत की वृद्धि है, जो लगभग 2.07 अरब डॉलर थी।

सीबीएसएल डेटा से पता चला है कि 2024 में 20 लाख से अधिक पर्यटकों ने श्रीलंका का दौरा किया, जो 2023 की तुलना में 38.1 प्रतिशत अधिक है। पर्यटन अधिकारियों ने हाल ही में कहा कि श्रीलंकाई सरकार 2025 में 30 लाख पर्यटकों को आकर्षित करके पर्यटन राजस्व में 5 अरब डॉलर का लक्ष्य रख रही है।

विवादित चुनावी नतीजे के बीच निकोलस मादुरो तीसरी बार बने राष्ट्रपति

एजेंसी

काराकास (वेनेजुएला)। वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने सत्तारूढ़ पार्टी की ओर से नियंत्रित नेशनल असेंबली के समक्ष तीसरे कार्यकाल की शपथ ली। विपक्ष ने मादुरो पर चुनावी धांधली से जीत का आरोप लगाते हुए दावा किया कि चुनाव में उसे जीत मिली है। विपक्ष के राष्ट्रपति पद के दावेदार एडमंडो गोंजालेज को अमेरिका सहित कई देशों द्वारा निर्वाचित राष्ट्रपति के रूप में मान्यता दी गई। मादुरो के शपथ ग्रहण से एक दिन पहले ही विपक्षी नेताओं को हिरासत में लिए जाने का मामला सामने आया है। हालांकि सरकार ने इसका खंडन किया है। वेनेजुएला की राजनीतिक अस्थिरता की तरफ हाल ही में तब विश्व भर की नजरें गई जब 28 जुलाई 2024 में मतदान समाप्त होने के कुछ घंटों बाद चुनाव अधिकारियों ने मादुरो

को विजेता घोषित कर दिया लेकिन उन्हें कितना मत मिला, उसकी संख्या नहीं बताई। वेनेजुएला के चुनाव प्राधिकरण और शीर्ष अदालत ने मादुरो को चुनाव में विजेता घोषित किया। हालांकि विपक्ष ने दावा किया कि उसने 80 प्रतिशत से अधिक इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों से मतों की गणना एकत्र किए, जिसमें पता चला कि गोंजालेज को मादुरो से दोगुने वोट मिले हैं। मादुरो शासन के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन होते रहे हैं। 2011 में मादुरो के पहली बार चुने जाने के बाद से ही वैश्विक तेल की कीमतों में भारी गिरावट आई और पूरी तरह तेल राजस्व पर निर्भरता के चलते वेनेजुएला आर्थिक संकट के दलदल में धंसता चला गया। मुद्रास्फीति आसमान छूने लगी और जरूरी चीजों की भारी कमी हो गई। जिसके बाद 2014 और 2017 में मादुरो शासन के खिलाफ जनता सड़कों पर उतरी जिसे सरकार ने सख्ती से नियंत्रित किया। इन प्रदर्शनों में काफी संख्या में प्रदर्शनकारियों की मौत हुई।

जमानत पर 84 दिन बाद रिहा हुए रवि लामिछाने

एजेंसी

काठमांडू। सहकारी बैंक से करोड़ों की ठगी मामले में पिछले 84 दिनों से पोखरा पुलिस की हिरासत में चल रहे पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने शाम को जमानत पर रिहा हो गए, लेकिन आज ही उन्हें काठमांडू की जिला अदालत में पेश होना होगा।

पोखरा के सूर्यदर्शन सहकारी बैंक में ठगी मामले में पूछताछ और बयान के बाद जमानत की अर्जी पर सुनवाई करते हुए जिला अदालत पोखरा ने 9 जनवरी को रवि लामिछाने को 65 लाख रुपये के निजी मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया। इसके बाद देर रात उन्हें रिहा कर दिया गया। चूंकि, रवि लामिछाने को पोखरा के अलावा चार अन्य जिलों के सहकारी बैंक घोटाले में प्रमुख अभियुक्त बनाया गया है, इसलिए उन्हें सबसे पहले काठमांडू जिला अदालत में पेश होना होगा।

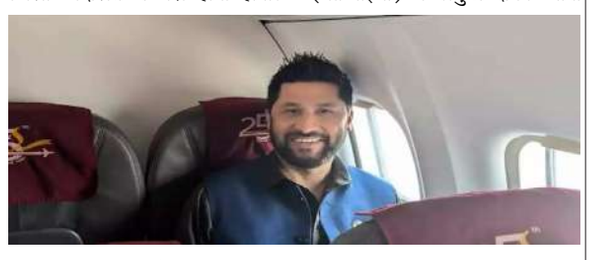

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रवक्ता मनीष झा ने बताया कि काठमांडू जिला अदालत में पेश होने के लिए रवि आज ही विमान से काठमांडू पहुंच रहे हैं। काठमांडू के स्वर्णलक्ष्मी सहकारी बैंक घोटाले में रवि लामिछाने को प्रमुख आरोपित बनाया गया है, इसलिए यहां से भी उन्हें जमानत लेनी होगी। इस पूरे मामले की जांच कर रहे केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआईबी) के प्रमुख दीपक थापा ने बताया कि उनकी तरफ से पोखरा की जिला अदालत में रवि को काठमांडू पुलिस के हवाले करने की अर्जी दी गई थी, लेकिन रवि के वकील की तरफ से उनके खुद ही हाजिर होने की शर्त पर काठमांडू पुलिस के हवाले नहीं किया गया था।

गाजा पर इजरायली हमले में मारे गए 22 फिलिस्तीनी

एजेंसी

गाजा। इजरायली हवाई हमलों में एक पत्रकार सहित कम से कम 22 फिलिस्तीनियों की जान चली गई। इसके अलावा ईंधन की कमी से जूझ रहे गाजा में संचार 'ब्लैकआउट' होने का खतरा है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

गाजा में नागरिक सुरक्षा ने बताया कि गाजा शहर के शुजैय्या पड़ोस में लोगों के एक समूह और एक घर को निशाना बनाकर किए गए हवाई हमले में आठ लोगों की मौत और कई लोगों के घायल हो गये। बाद में, मध्य गाजा में अल-बुरेज़ शरणार्थी शिविर पर हवाई हमले में सात लोग मारे गए।

दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में, नासिर अस्पताल के चिकित्सा अधिकारियों ने कहा कि शहर में कई स्थानों पर हवाई और तोपखाने हमलों के बाद चार शव बरामद किए गए। मध्य गाजा के अल-नुसीरत में, अल-अवदा अस्पताल ने तोपखाने की गोलाबारी और ड्रोन हमलों से अल-ग़ाद टीवी के पत्रकार सईद नभान समेत तीन मौतों और छह घायल होने की सूचना दी।

लॉस एंजिल्स आग: भीषण तबाही के बीच लूटेरों ने मचाया आतंक, 20 गिरफ्तार

एजेंसी

लॉस एंजिल्स । लॉस एंजिल्स के जंगलों में लगी भयानक आग बढ़ती ही जा रही है। मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि तेज हवाएं आग को और भड़का सकती हैं। इस बीच क्षेत्र में लूटपाट के मामले सामने आ रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लॉस एंजिल्स काउंटी के शेरिफ रॉबर्ट लूना ने लूटपाट की खबरों के बीच कहा कि पहली आग लगने के बाद से आपदा क्षेत्रों में लगभग 20 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। लूना ने वादा किया है कि वह क्षेत्र में गश्त बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि उनके अधिकारी - जिन्हें जल्द ही कैलिफोर्निया नेशनल गार्ड के सैनिकों का भी साथ मिलेगा, निकासी क्षेत्र में ऐसी घटनाओं को सक्रिय रूप से रोकेंगे।

लॉस एंजिल्स काउंटी के शेरिफ ने कहा, ÷जब हमारे पास

कानून के तहत निकासी का आदेश होता है और ऐसे में आप उस क्षेत्र में रहते हैं, तो आप दोषी हैं और अगर आप कुछ आपराधिक काम करते हैं, तो यह एक गंभीर मामला बन सकता है। लूना ने कहा, अगर आप ऐसे किसी एक इलाके में हैं और आप वहां के नहीं हैं, तो आपको गिरफ्तार किया जा सकता है। इस बीच सांता मोनिका शहर ने अराजकता के कारण कर्फ्यू घोषित कर दिया है। आग की वजह से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई है। लाखों लोग घर छोड़ने पर मजबूर हुए है जिनमें अमेरिकी फिल्म जगत की कई हस्तियां भी शामिल हैं क्योंकि आग ने हॉलिवुड हिल्स को भी अपने चपेट में ले लिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लॉस एंजिल्स में लगभग 100,000 घर, दफ्तर बिना बिजली के हैं। फायर फाइटिंग टीम को उम्मीद है कि अगले सप्ताह तक हवा और शुष्क मौसम की स्थिति बनी रहेगी, जिससे आग बुझाना और मुश्किल हो सकता है। यदि हवाएं बहुत तेज होंगी, तो फायर फाइटिंग एयरक्राफ्ट उड़ान नहीं भर पाएंगे।

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस ने यूरोप के लिए उड़ानें फिर से शुरू की

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) ने साढ़े चार साल की अवधि के बाद यूरोप के लिए अपनी उड़ानें फिर से शुरू कर दी।पीआईए के एक बयान में कहा गया है कि देश की अग्रणी विमान कंपनी ने आज देश की राजधानी इस्लामाबाद से पेरिस के लिए उद्घाटन उड़ान पीके-749 के साथ यूरोप की अपनी यात्रा को फिर से शुरू किया।

पीआईए के देश के दक्षिणी बंदरगाह शहर कराची के एक आवासीय क्षेत्र में विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद जून 2020 में यूरोपीय संघ, ब्रिटेन और अमेरिका के लिए उड़ान संचालन पर प्रतिबंध लगा

दिया गया था। पिछले साल नवंबर में यूरोपीय संघ विमानन सुरक्षा एजेंसी द्वारा प्रतिबंध हटाने के बाद यूरोप के लिए पीआईए उड़ानें फिर से शुरू हुई।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उड़ान बहाली पर देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि उड़ानें बंद होने से राष्ट्रीय एयरलाइन को भारी नुकसान हुआ और यूरोप में रहने वाले पाकिस्तानियों के लिए भी बेचैनी हुई। उन्होंने कहा यूरोप के लिए पीआईए की उड़ानें फिर से शुरू होने से विदेशी पाकिस्तानियों को सुविधा होगी।

उन्होंने कहा कि यूरोप के लिए उड़ानें फिर से शुरू होने से संकेत मिलता है कि पीआईए प्रगति की ओर बढ़ रही है। श्री शरीफ ने बहाली में अपनी भूमिका निभाने के लिए विदेश मंत्री इशाक डार, विमानन मंत्री और रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ और संबंधित संस्थानों की सराहना की।

नेपाल–भारत के बीच रहे सीमा स्तंभ मरम्मत का काम शुरू

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल और भारत की खुली सीमा के बीच दो देशों की अंतरराष्ट्रीय सीमा की पहचान रहे स्तंभों के मरम्मत का काम औपचारिक रूप से शुरू कर दिया गया है। दोनों देशों के बीच रहे बॉर्डर वर्किंग ग्रुप की बैठक के निर्णय के मुताबिक नेपाल के पूर्वी सीमा से इस काम की शुरुआत की गई है। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी सीमा के पास से सीमा स्तम्भ के मरम्मत के काम को दोनों देशों के सीमा सुरक्षा अधिकारियों ने किया है। नेपाल के सशस्त्र प्रहरी बल झापा जिले के एसपी कवींद्र राई ने बताया कि भारत के सिलीगुड़ी के पास और नेपाल के मेचीनगर में रहे बॉर्डर पिलर नंबर 95/12 से इसकी शुरुआत की गई है। एसपी राई के मुताबिक भारत की सीमा सुरक्षा बल एसएसबी की उपस्थिति में इस काम की शुरुआत की गई है।

दोनों देशों के बीच इस बात पर सहमति हुई है कि जितने भी जोड़ संख्या के सीमा स्तंभ हैं उसकी मरम्मत का काम एसएसबी के जिम्मे है जबकि बे-जोड़ संख्या वाले स्तंभों की मरम्मत का काम नेपाल की सशस्त्र प्रहरी बल एपीएफ के जिम्मे है। नेपाल के झापा जिले की सीमा भारत के पश्चिम बंगाल से 114.2 किलोमीटर की है जिसमें कुल 107 सीमा स्तम्भ होने की जानकारी एपीएफ के तरफ से दी गई है।

सीमा स्तंभ मरम्मत के साथ ही जहां पर यह सीमा स्तंभ टूट गए हैं या किसी कारण से गायब हैं वहां नए पीलर लगाने का काम भी किया जाएगा। सीमा स्तंभ मरम्मत के काम के समय दोनों देशों के तरफ से सीमा सुरक्षा बल के अलावा नेपाल के तरफ से जिला प्रशासन, सर्वे विभाग, स्थानीय जनप्रतिधियों की उपस्थिति में किए जाने पर सहमति हुई है। ताकि भविष्य में किसी भी प्रकार का विवाद ना हो।

हमास की बटालियन के कमांडर की इजरायली हवाई हमले में मौत

एजेंसी

यरूशलम। इजरायली सुरक्षा सूत्रों ने कहा कि गाजा शहर में हमास की बटालियन के कमांडर, उनके प्रमुख और दो विशिष्ट नुखबा कंपनी कमांडर पिछले हफ्ते हवाई हमलों में मारे गये । इज़रायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) और शिन बेट सुरक्षा एजेंसी ने एक संयुक्त बयान में कहा, हवाई हमलों में हमास के गाजा सिटी ब्रिगेड में सबरा बटालियन के कमांडर ओसामा अबू नामोस को निशाना बनाया गया।

आईडीएफ और शिन बेट ने अबू नमोस को एक हमास आतंकवादी के रूप में वर्णित किया, जिसने इजरायली नागरिकों के खिलाफ समूह की गतिविधियों को निर्देशित किया और उस क्षेत्र में आईडीएफ सैनिकों पर हमले की साजिश रची, जिसे इजरायल नेटज़ारिम कॉरिडोर के रूप में जाना जाता हैउल्लेखनीय है कि मध्य गाजा पट्टी में स्थित गलियारा, उत्तरी और दक्षिणी गाजा को अलग करता है और यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां इजरायली सेना ने अपने अड्डे स्थापित किए और सैनिकों को तैनात किया। बयान में कहा गया है, उन्होंने हमास के लिए ज्ञान के एक महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में काम किया। आईडीएफ और शिन बेट ने कहा कि हमास के दो अन्य कार्यकर्ता, महमूद शाहीन और हमदा दिरी एक अन्य हमले में मारे गए। एक अलग हवाई हमले में, अबू नमोस के प्रमुख महमूद अल तारक की मौत हो गई।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में कोयला खदान में विस्फोट, 12 लोगों की मौत की आशंका

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में गैस विस्फोट के कारण एक कोयला खदान ढह जाने से सभी 12 खनिकों के मारे जाने की आशंका है। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी।

बलूचिस्तान के मुख्य खान निरीक्षक अब्दुल गनी बलूच ने बताया कि खदान में विस्फोट मीथेन गैस के कारण हुआ था। यह विस्फोट उस समय हुआ, जब खनिक बलूचिस्तान की प्रांतीय राजधानी क्वेटा के संजीदी इलाके में खदान के अंदर कोयला खोद रहे थे।

खनन इंजीनियरों और अन्य बचाव कर्मचारियों की कई टीमें मलबे को हटाने का काम कर रही हैं। पाकिस्तान के प्रमुख दैनिक डॉन ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान शुक्रवार दोपहर को चार खनिकों के शव बरामद किए गए।बचावकर्मियों के अनुसार, गैस विस्फोट के बाद खदान पूरी तरह से ढह गई। खदान

तक जाने वाले सभी रास्ते बंद हो गए और बचाव कार्य बाधित हो गए।

एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने बताया कि बलूचिस्तान में सभी 12 कोयला खदानकर्मियों के मारे जाने की आशंका है। प्रांत के खनन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी अब्दुल गनी बलूच के हवाले से अखबार ने कहा कि एक निजी खदान के अंदर बारह कर्मचारी थे, जब विस्फोट के बाद पूरी खदान ढह गई। बचाव दल की गति धीमी हो गई, क्योंकि वह खदान का प्रवेश द्वार नहीं खोज पाए। पाकिस्तान के मानवाधिकार अयोग की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में खनन दुर्घटनाएं आम बात हैं, क्योंकि खदानों में स्वास्थ्य और सुरक्षा मानकों का पालन शायद ही कभी किया जाता है, जिसका मुख्य कारण खदानों का अनियमित और छिटपुट निरीक्षण है।

इसी क्षेत्र में एक कोयला खदान में पिछले साल हुए विस्फोट में 12 मजदूरों की मौत हो गई थी और आठ अन्य घायल हो गए थे। मार्च 2024 में विस्फोट बलूचिस्तान प्रांत के हरनाई जिले में गुफा के अंदर जहरीली गैस जमा होने के कारण हुआ था।

विस्फोट के समय मजदूर खदान के अंदर काम कर रहे थे और आठ और लोग, जो अपने फंसे हुए साथियों को बचाने की कोशिश में खदान में घुसे थे, वे भी फंस गए, क्योंकि पूरी खदान ढह गई।

पौधों के लिए आवश्यक पोषक तत्व

पौधों की उचित बढ़वार और जीवन-चक्र सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए मुख्य तौर पर 16 तत्वों की आवश्यकता होती है, जिसमें से कार्बन, आक्सीजन व हाइड्रोजन वायु तथा पानी से, शेष 13 तत्व भूमि से प्राप्त करते हैं। पोषक तत्वों को पौधों के लिये आवश्यक मात्रा के अनुसार निम्न प्रकार वर्गीकृत किया जाता है, जैसे-

आवश्यक पोषक तत्व

मुख्य पोषक तत्व- मुख्य पोषक तत्व वे पोषक तत्व है, जिसकी पौधों को अधिक मात्रा में आवश्यकता होती है, जैसे-

आधारभूत पोषक तत्व- कार्बन, आक्सीजन और हाइड्रोजन है।

प्राथमिक पोषक तत्व- नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश है।

गौण पोषक तत्व- गौण (द्वितीयक) पोषक तत्व वे पोषक तत्व है, जिसकी पौधों को कम मात्रा में आवश्यकता होती है, जैसे- कैल्शियम, मैग्नीशियम और गन्धक है।

सूक्ष्म पोषक तत्व- सूक्ष्म पोषक तत्व वे पोषक तत्व है, जिनकी पौधों को बहुत ही कम मात्रा में आवश्यकता होती है, जैसे- लोहा, जिंक, कापर, मैंगनीज, मालिब्डेनम, बोरान और क्लोरीन है।

पोषक तत्वों की कमी

भूमि में उपस्थित तत्वों की मात्रा में से कुछ मात्रा भूमि कटाव, भूमि से रिसाव, भूमि से बहाव, भूमि से गैस के रूप में उड़ने, खरपतवारों द्वारा उपयोग कर लिये जाने से और कुछ मात्रा उगाई जाने वाली फसल द्वारा ग्रहण कर लेने से कम होती है। उपरोक्त कारणों से होने वाली कमी को भूमि में पूर्ति न की जाये तो उसकी उपजाऊ शक्ति कम होती जाती है।

प्राथमिक पोषक तत्वों की कमी के लक्षण

प्राथमिक पोषक तत्वों में नाइट्रोजन की कमी देश की सभी प्रकार की भूमियों में पाई जाती है। फास्फोरस तथा पोटाश भूमि में पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है, परन्तु फसलों के लगातार उगाने व पोषक तत्व प्रबन्धन के अभाव में ये तत्व भी अधिकांश तौर पर भूमियों में कम हो गया है, जैसे-

नाइट्रोजन की कमी के लक्षण-

1. पौधों की बढ़वार रूक जाती है और तना पतला तथा छोटा हो जाता है।
2. पत्तियां पीली पड़ने लगती है, यह प्रभाव पहले पुरानी पत्तियों पर पड़ता है और नई पत्तियां बाद में पीली पड़ती है।
3. पौधों का विकास कम या होता ही नही है।
4. फूल कम या बिल्कुल नहीं लगते हैं।
5. फूल, फल गिरना प्रारम्भ कर देते हैं।
6. दाने कम बनते हैं।
7. नाइट्रोजन की कमी से जड़ें, गुच्छेदार लाल बादामी रंग की हो जाती है।

जिस प्रकार नाइट्रोजन की कमी नुकसानदायक है, उसी प्रकार नाइट्रोजन की अधिकता भी पौधों के लिए हानिकारक है, जैसे-

1. अधिक बढ़वार से पौधे गिर जाते हैं ।
2. पौधे कोमल होने से कीट एवं रोगों का प्रकोप अधिक होता है।
3. पौधों की सूखा और पाला सहन करने की क्षमता कम होती है।
4. पौधे में प्रोटीन की मात्रा बढ़ती है और कार्बोहाइड्रेट्स तथा खनिज तत्वों की मात्रा कम हो जाती है।
5. फसल देर से पकती है और उसमें दाने की उपज कम तथा भूसे की उपज बढ़ जाती है।

फास्फोरस की कमी के लक्षण-

1. पौधों की वृद्धि कम होती है।
2. जड़ों का विकास रूक जाता है।
3. टिलरिंग कम होती है।
4. पत्तियों का रंग गहरा हरा हो जाता है, कुछ समय बाद पुरानी पत्तियाँ पीली पड़कर गिर जाती हैं।
5. पुरानी पत्तियाँ सिरों की तरफ से सूखना प्रारम्भ करती हैं और पत्तियों का रंग ताँबे जैसा या बैगनी हरा हो जाता है।
6. फल कम लगते हैं, दानों की संख्या घट जाती है।

पोटाश की कमी के लक्षण-

1. पौधों में वृद्धि रूक जाती है या फिर वृद्धि झाड़ीनुमा होती है।
2. पत्तियां छोटी, पतली तथा सिरों की तरफ सूखकर भूरी पड़ जाती है और मुड़ जाती हैं।
3. पुरानी पत्तियां किनारों तथा सिरों पर झुलसी हुई दिखाई पड़ती हैं और किनारे से सूखना प्रारम्भ करती हैं।
4. जड़ों की वृद्धि रूक जाती है एवं पतली व भूरे रंग की हो जाती हैं।
5. कल्ले बहुत अधिक निकलते हैं।
6. तने कमजोर हो जाते हैं।
7. दानों का आकार छोटा हो जाता है।
8. पौधों पर रोग लगने की सम्भावना अधिक हो जाती है।
9. आलू तथा सरसों में पत्तियां झुलस जाती है और पटल ऊपर को उठ जाता है।

गौण तत्वों की कमी के लक्षण

वर्तमान में किसान खेती की उन्नत विधियों के साथ-साथ मुख्य रासायनिक उर्वरकों जैसे- नाइट्रोजन, फास्फोरस व पोटाश के प्रयोग की तरफ ध्यान देता है, परन्तु गौण और सूक्ष्म तत्वों के बारे में नहीं सोचता है। सघन कृषि प्रणाली व पोषक तत्व प्रबंधन के अभाव में इन तत्वों की जमीन में निरन्तर कमी होती जा रही है, जैसे-

गंधक की कमी के लक्षण-

1. नाइट्रोजन की कमी की तरह पत्तियाँ पीली हो जाती है, परन्तु नाइट्रोजन की कमी के लक्षण पहले पुरानी पत्तियों पर दिखाई देते हैं, जबकि गंधक की कमी के लक्षण पहले नई पत्तियों पर दिखाई पड़ते है तथा फिर पूरा पौधा पीला हो जाता है।
2. पीला होने के बाद पत्तियों पर हल्का लाल रंग आता है।
3. नाइट्रोजन देने से भी पत्तियाँ हरी नहीं होती हैं।
4. तने की बढ़वार रूक जाती है।
5. फसलों के पकने की अवधि बढ़ जाती है।
6. तने की बढ़वार रूक जाती है एवं वे छोटे व पतले हो जाते हैं।
7. दलहनी फसलों में गंधक की कमी से गांठे कम बनती हैं।
8. तिलहनी फसलों में तेल की गुणवत्ता तथा मात्रा दोनों ही प्रभावित होती हैं।
9. दोमट, रेतीली व कम जीवाँश वाली भूमियों में आमतौर पर गन्धक की कमी पाई जाती है।
10. ऐसी भूमि जहाँ वर्षों से गन्धकरहित रासायनिक खादों का प्रयोग किया जा रहा हो, वहाँ भी इस तत्व की कमी हो जाती है।

कैल्शियम की कमी के लक्षण-

1. पौधों की पत्तियों का आकार छोटा और विकृत हो जाता है, किनारे कटे-फटे होते हैं।
2. जड़ों का विकास उचित प्रकार से नहीं हो पाता है।
3. नई कलिकाएँ सूख जाती है।
4. दलहनी फसलों की जड़ों में ग्रन्थियाँ कम व छोटी बनती हैं।
5. आलू के पौधे झाड़ी की तरह हो जाते हैं।

मैग्नीशियम की कमी के लक्षण-

1. पत्तियों के शिराओं के बीच का भाग पर्णहरित की कमी से पीला दिखाई देता है।
2. पत्तियां आकार में छोटी, कड़ी और किनारों से ऊपर की ओर मुड़ जाती हैं।
3. आलू के पौधों में कमी से पत्तियाँ जल्दी झड़ने वाली हो जाती हैं।
4. सब्जियों तथा फलों में दाग पड़ने लगते हैं।

सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी के लक्षण

इस वर्ग के तत्वों की जरूरत फसलों को बहुत कम मात्रा में होती है, परन्तु इनकी कमी से इच्छित पैदावार नहीं मिलती है। कमी के लक्षण इस प्रकार है, जैसे-

जिंक की कमी के लक्षण-

1. शिराओं के बीच का भाग रंगहीन और नई पत्तियों के आकार में कमी हो जाती है। 2. पत्तियां पौधों पर गुच्छे के रूप में दिखाई देती हैं तथा तने की लम्बाई घट जाती है।पौधों में जिंक की कमी को अलग-अलग नामों से जाना जाता है, जैसे-
1. मक्का के छोटे पौधों में सफेद कली रोग होना।
2. नीबू में लिटिल लीफ या मोटल लीफ (चित्तीदार बहुरंगी पत्ती) होना।
3. आडू में रोजेट होना।
4. धान का खैरा रोग होना, धान की खैरा बीमारी रोपाई के दो से तीन सप्ताह बाद जहां पानी भरा हो लगता है और इस बीमारी के लक्षणों में जैसे-
- बाहरी पत्ती की सतह का रंग कत्थई होना।
- पत्ती की नोक का सूखना।
- जंक की तरह का रंग पत्ती की नोंक से शुरू होकर नीचे की तरफ किनारे-किनारे बढ़ना।
- जस्तें की कमी के लक्षण 7.8 से 8.2 पी एच मान पर ही परिलक्षित होता है।

लोहा की कमी के लक्षण-

1. पत्तियों के सिरे ऊपर मुड़ जाते हैं और पत्तियों में क्लोरोसिस हो जाता है।
2. कलियाँ शीध्र मुरझाने लगती है।
3. पत्तियों के किनारे तथा नोक अधिक समय तक हरे रहते हैं।

तांबा की कमी के लक्षण-

1. नई पत्तियों के किनारों और नोक पर क्लोरोसिस हो जाता है।
2. नींबू प्रजाति के पौधों में वृद्धि रूक जाती है।
3. फलों पर धब्बे बन जाते हैं।
4. फलों में अम्ल की कमी और फल स्वादहीन हो जाते हैं।

पोषक तत्वों से भरपूर -पपीता

पपीता पोषक तत्वों से भरपूर अत्यंत स्वास्थ्यवर्धक जल्दी तैयार होने वाला फल है पपीते का पके तथा कच्चे रूप में प्रयोग किया जाता है इसका आर्थिक महत्व ताजे फलों के अतिरिक्त पपेन के कारण भी है, जिसका प्रयोग बहुत से औद्योगिक कामों में होता है इसलिए पपीते की खेती की लोकप्रियता दिनों दिन बढ़ती जा रही है और क्षेत्रफल की दृष्टि से यह हमारे देश का पांचवा लोकप्रिय फल है देश के अधिकांश भागों में घर की बगिया से लेकर बागों तक पपीते की बागवानी का क्षेत्र निरन्तर बढ़ता जा रहा हैं

देश के विभिन्न राज्यों आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडू, बिहार, आसाम, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर तथा मिजोरम में इसकी खेती की जा रही है अत: इसके सफल उत्पादन के लिए वैज्ञानिक पद्धति या तकनीकों का उपयोग करके कृषक इसकी फसल से अच्छी उपज प्राप्त कर सकते हैं इस लेख में कृषकों के लिए पपीते की वैज्ञानिक तकनीक से बागवानी कैसे करें की जानकारी का विस्तृत उल्लेख किया गया है

पपीते की खेती की सबसे अच्छी उष्ण कटिबन्धीय क्षेत्रो में होती है लेकिन समशीतोष्ण क्षेत्रो में भी अच्छी पैदावार देता है शुष्क गर्म जलवायु में इसके फल अधिक मीठे होते है परन्तु अधिक नमी इसके फलो के गुणों को खराब कर देती है, और पैदावार भी प्रभावित होती है इसके उत्पादन के लिए तापक्रम 22 से 26 डिग्री सैंटीग्रेट के बिच और 10 डिग्री सेंटीग्रेट से कम नहीं होना चाहिए, क्योंकि अधिक ठण्ड तथा पाला इसके लिए शत्रु के समान है

पपीता किसी भी प्रकार की भूमि में उगाया जा सकता है, लेकिन इसकी सबसे अच्छी उपज जीवांश युक्त हलकी दोमट या दोमट मृदा जिसमे जल निकास कि व्यवस्था अच्छी हो, इसलिए इसके लिए दोमट हवादार काली उपजाऊ भूमि का चयन करना चाहिए और जिसका पीएच मान 6.5 से .5 के बिच होना चाहिए और पानी बिलकुल नहीं रुकना चाहिए, पपीते की खेती के लिए मध्य काली और जलोढ़ भूमि भी अच्छी होती है

पपीता में नियंत्रित परागण के अभाव और बीजय प्रर्वधन के कारण किस्में अस्थाई हैं तथा एक ही किस्म में विभिन्नता पाई जाती हैं अत: फूल आने से पहले नर और मादा पौधों का अनुमान लगाना कठिन है इनकी कुछ प्रचलित किस्में जो देश के विभिन्न भागों में उगाई जाती हैं और अधिक संख्या में मादा फूलों के पौधे मिलते हैं जिनमें मुख्य हैं, जैसे-

हनीड्यु या मधु बिन्दु, कुर्ग हनीड्यू, वांशिगटन, कोय- 1, कोय- 2, कोय- 3, फल उत्पादन तथा पपेन उत्पादन के लिए कोय- 5, कोय- 6, कोय- , एम एफ- 1 और पूसा मेजस्टी मुख्य हैं पपेन का अन्तराष्ट्रीय व्यापार में महत्व है इनमें पपेन अन्य किस्मों से अधिक निकलते हैं

उत्तरी भारत में तापक्रम का उतार-चढ़ाव काफी अधिक होता है इसलिए उभयलिंगी फूल वाली किस्में ठीक उत्पादन नहीं दे पाती हैं, जब कि कुर्ग हनीड्यू, दक्षिण भारत में अधिक पैदावार के लिए सफल सिद्ध हुई है

कोय- 1, पंजाब स्वीट, पूसा डेलिसियस, पूसा मेजस्टी, पूसा जाइन्ट, पूसा डुवार्फ, पूसा नन्हा, म्यूटेन्ट आदि किस्में, जिनमें मादा फूलों की संख्या अधिक होती हैं और उभयलिंगी हैं, उत्तरी भारत में काफी सफल हैं

हवाई की 'सोलो किस्म जो उभयलिंगी और मादा पौधे होते हैं, उत्तरी भारत में इसके फल छोटे और निम्न कोटि के होते हैं

पपीता के उत्पादन के लिए पौधशाला में पौधों को उगाना बहुत महत्व रखता है इसके लिए बीज की मात्रा एक हैक्टेयर में पपीता के लिए 500 ग्राम काफी होती है बीज पूर्ण पका हुआ, अच्छी तरह सूखा शीशे की बोतल या जार में रखा हो, जिसका मुंह ढका हो और 6 महीने से अधिक पुराना न हो, उपयुक्त है बोने से पहले बीज को केप्टान से उपचारित कर लेना चाहिए इसके लिए 3 ग्राम केप्टान एक किलोग्राम बीज को उपचारित करने के लिए काफी है

बीज बोने के लिए क्यारी जो जमीन से उंची उटी हुई संकरी होनी चहिए, इसके अलावा बड़े गमले या लकड़ी के बक्सों का भी प्रयोग कर सकते हैं इन्हे तैयार करने के लिए पत्ती की खाद, बालु तथा सड़ी हुई गोबर की खाद बराबर भागों में मिलाकर मिश्रण तैयार कर लेते हैं जिस स्थान पर नर्सरी होती हैं, जमीन की अच्छी गुड़ाई-जुताई करके समस्त कंकड़ पत्थर तथा खरपतवार निकाल कर साफ कर देना चाहिए और जमीन को 2 प्रतिशत फोरमिलीन से उपचारित कर लेना चाहिए

वह स्थान जहां पर तेज धूप तथा अधिक छाया न आये चुनना चाहिए एक एकड़ के लिए 4056 मीटर जमीन में उगाये गये पौधे काफी होते हैं इसमें 2.5 X 10 X 0.5 आकार की क्यारी बनाकर उपर्युक्त मिश्रण अच्छी तरह मिला दें

और क्यारी को उपर से समतल कर दें इसके बाद मिश्रण की तह लगाकर 1/2 X 2 इंच गहराई पर 3 X 6 इंच के फासले पर पंक्ति बनाकर उपचारित बीज बो दें और फिर 1/2 X 2 इंच गोबर की खाद के मिश्रण से ढककर लकड़ी, से दबा दे ताकि बीज उपर न रह जाये

यदि गमलों या बक्सों का उगाने के लिए प्रयोग करें, तो इनमें भी इसी मिश्रण का प्रयोग करें बोई गई क्यारियों का सूखी घास या पुआल से ढक दें तथा सुबह व शाम हज्जारे द्वारा पानी देना आवश्यक है बोने के लगभग 15 से 20 दिन के भीतर बीज का जमाव हो जाता हैं जब इन पौधों में 4 से 5 पत्तियां निकल आयें तो छोटे गमले 6' आकार में मिश्रण भर कर लगा दें

जब पौधे खेत में प्रतिरोपण करने के लिए तैयार हो जाते हैं, तो प्रतिरोपण करने से पहले गमलों को धूप में एक दिन रखना चाहिए और खेत में सदैव पौधे संध्या के समय लगाकर उचित पानी देना चाहिए किसी भी हालत में पानी अधिक न हो जायें नहीं तो पौधों को तुरन्त सड़न और उकठा का रोग लग जायेगा उत्तरी भारत में नर्सरी में बीज मार्च, अप्रेल, जून और अगस्त में उगाने चाहिए

प्लास्टिक थैलियों में बीज उगाना- इसके लिए 200 गेज और 20 X 15 सेंटीमीटर आकार की थैलियों की जरूरत होती है, जिनकों किसी कील से नीचे और साइड में छेद कर देते हैं तथा 1:1:1:1 पत्ती की खाद, रेत, गोबर और मिट्टी का मिश्रण बनाकर थैलियों में भर देते हैं प्रत्येक थैली में दो या तीन बीज बो देते हैं प्रतिरोपण करते समय थैली का नीचे का भाग फाड़ देना चाहिए

पौध लगाने से पहले खेत की अच्छी तरह तैयारी करके खेत को समतल कर लेना चाहिए, ताकि पानी न भर सकें फिर पपीता की सघन व्यावसायिक बागवानी के लिए 50 X 50 X 50 सेंटीमीटर आकार के गड्ढ़े 1.5 X 1.5 मीटर के फासले पर खोद लेने चाहिए ओर प्रत्येक गड्ढे में 30 ग्राम बी एच सी 10 प्रतिशत डस्ट मिलाकर उपचारित कर लेना चाहिए उंची बढ़ने वाली किस्मों के लिये 1.8 X 1.8 मीटर फासला रखते हैं जब पौधे 20 से 25 सेंटीमीटर हो जायें तो पहले से तैयार किये पौधों को 2 से 3 की संख्या में प्रत्येक गड्ढ़े में 10 सेंटीमीटर के फासले पर लगा देते हैं

पौधे लगाते समय इस बात का ध्यान रखते हैं, कि गड्ढ़े का ढाल पौधे की तरफ हो, पौधे लगाने के बाद सिंचाई कर देनी चाहिए पपीता लगाने का उचित समय अप्रैल, अगस्त और सितम्बर है फूल आने के बाद केवल दस प्रतिशत नर पौधों को छोड़ कर सभी नर पौधों को निकाल देना चाहिए और उनकी जगह नये पौधे लगा दें बरसात के दिनों में पेड़ों के पास मिट्टी चढ़ा देनी चाहिए, जिससे पानी तने से न लगे

पपीता जल्दी फल देना शुरू कर देता है, इसलिए इसे अधिक उपजाऊ भूमि की जरूरत है अत: अच्छी फसल के लिए 200 ग्राम नाइट्रोजन, 250 ग्राम फास्फोरस और 500 ग्राम पोटाश प्रति पौधा की आवश्यकता होती है इसके अतिरिक्त प्रति वर्ष पौधा 15 से 25 किलोग्राम गोबर की सड़ी खाद, 1 किलोग्राम हड्डी का चूरा तथा 1 किलोग्राम नीम की खली की जरूरत पड़ती है

खाद की यह मात्रा तीन बराबर मात्रा में मार्च से अप्रेल, जुलाई से अगस्त और अक्टूबर महीनों में देनी चाहिए दिसम्बर से जनवरी माह में उर्वरक नहीं डालना चाहिए, क्योंकि तापमान उत्तर भारत में इस समय काफी कम होता है और जाड़े में पौधों की वृद्धि रुक जाती है पपीता लगाने के 4 माह बाद से उर्वरक डालने की आवश्यकता होती है

पपीते के पौधे पानी के जमाव के प्रति संवेदनशील होते हैं अत: इन्हें ऐसी भूमि में लगाना चाहिए जहाँ पानी के निकास का उत्तम प्रबंध हो खास तौर पर जहाँ अधिक वर्षा होती है और भारी मिट्टी है, वहाँ का विशेष ध्यान रखना चाहिए पपीते के पौधों में समय-समय पर सिंचाई की आवश्यकता पड़ती है पानी की कमी होने पर उत्पादन पर बुरा प्रभाव पड़ता है यदि ठीक समय पर सिंचाई न की जाये तो पौधे की वृद्धि रुक जाती है जलवायु के अनुसार नये पौधों में 2 से 3 दिनों के अन्तर पर सिंचाई करनी चाहिए, जबकि एक साल पुराने पौधों में गर्मी में 6 से दिनों के अन्तराल पर तथा सर्दी में 10 से 15 दिनों के अन्तराल पर सिंचाई करनी चाहिए (जब वर्षा न हो)

पपीते के पौधे के पास पानी के जमाव होने पर पौधे में गलन की बिमारी लग जाती है और पौधा मर जाता है इसलिए पपीते के खेत में जल निकास की अच्छी व्यवस्था होनी चाहिए और पौधे की जड़ के पास 15 से 20 सेंटीमीटर ऊँची मिट्टी चढ़ा देनी चाहिए, ताकि सिंचाई या वर्षा का पानी तने के सम्पर्क में न आये 60 से 80 प्रतिशत तक ज़मीन में उपलब्ध मृदा नमी सिंचाई के लिए उपयुक्त पायी गयी हैं यदि लम्बे समय तक पपीते के पौधे को पानी न मिले तो पौधे की वृद्धि एवं विकास रुक जाता है

यह भी देखा गया है, कि पानी की कमी होने पर नर फूल अधिक निकलते हैं परन्तु यदि खेत में लम्बे समय तक अधिक नमी बनी हुई है, तो फल विकृत आकार के हो जाते हैं केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान में प्रयोगों द्वारा यह पाया गया कि यदि पौधों को नाली से या पूरे खेत में पानी लगाने की तुलना में बेसिन विधि से सिंचाई करें, तो पानी कम लगता है तथा अधिक गुणवत्तायुक्त फल का उत्पादन होता है